04 - नये भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों की शक्ति लगे

05 - 'टेलोमियर' को साधिये जनाब!

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 9 जनवरी, 2025

06 - मंगलवार रही सीजन की दूसरी सबसे ठंडी रात, 6.7 डिग्री दर्ज किया रात...

07 - भारत सहित विश्व के पचास से अधिक देशों में आयोजित होगा

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 100, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

दिल्ली विस चुनाव : इस बार मुकाबला कांटे की टक्कर का क्यों है?

संदीप राय

साल 2013 में नई नवेली आम आदमी पार्टी ने अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। लेकिन ये सरकार सिर्फ़ 49 दिनों तक चल पाई। 2015 में जब चुनाव हुआ तो दिल्ली की राजनीति में इतिहास रचते हुए 'आप' ने 70 में से 67 सीटें जीत लीं। इस बात को एक दशक बीत चुका है। दिल्ली में कथित शराब घोटाले में जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल ने पिछले साल सितंबर में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा देकर ऐलान किया, 'मैं सीएम की कुर्सी से इस्तीफ़ा देने जा रहा हूं और मैं तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा जब तक जनता अपना फ़ैसला न सुना दे।'

केजरीवाल तबसे दिल्ली की जनता के बीच हैं, सभाएं कर रहे हैं, यात्रा निकाल रहे हैं और नई घोषणाएं कर रहे हैं, जिनमें 'पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना' और 'महिला सम्मान योजना' चर्चा में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफ़ी रोचक होने वाला है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बीच से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ, इसी मुद्दे पर बीजेपी केजरीवाल को घेरने की पुरज़ोर कोशिश कर रही है। बीजेपी ने अभी अपने पूरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी नहीं की है लेकिन चुनाव प्रचार अभियान के लिए पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक पीएम नरेंद्र मोदी को उतार दिया है और उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी सभा में आम आदमी पार्टी पर आक्रामक हमला बोला। पीएम मोदी ने आम आदमी पार्टी को 'आप-दा' कहा। बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री रहते हुए अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास को 'शीशमहल' बनाने के आरोप पुरज़ोर तरीक़े से लगाए जा रहे हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी रोचक होने जा रहा है क्योंकि इसके नतीजे राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करेंगे और सबसे ज़्यादा, आम आदमी पार्टी के भविष्य को तय करेंगे। बीते चार सालों में मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की भी गिरफ़्तारी हुई। हालांकि ये सभी लोग ज़मानत पर बाहर हैं, लेकिन बीजेपी ने इसे मुद्दा बनाया है और भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ एक क्रूसेडर की 'आप' की छवि को नुक़सान पहुंचाने की कोशिश की है।

'राजनीतिक टिप्पणीकार और वरिष्ठ पत्रकार नीरजा चौधरी कहती हैं कि बीजेपी इस चुनाव में अधिक आक्रामक है। इसकी वजह ये भी है कि पिछले दो चुनावों से इस बार उसकी स्थिति बहुत बेहतर है। टक्कर सिर्फ आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच है। कांग्रेस सिर्फ वोट कटवा होगी। इस चुनाव में केजरीवाल के लिए बहुत कुछ दांव पर लगा है. बाकी पार्टियां हार भी जाएं तो उनका बहुत कुछ दांव पर नहीं है।'

लेकिन इस चुनाव में कांग्रेस की भूमिका दिलचस्प हो गई है। अगर बीजेपी तेज़ी से वोट शेयर का अंतर कम करती है तो कुछ सीटों पर जीत का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस का प्रदर्शन कैसा रहता है।

नीरजा चौधरी कहती हैं, 'केजरीवाल की जीत में मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के बीच आम आदमी पार्टी की पैठ एक अहम कारक है। इसके अलावा महिला मतदाताओं का रुझान एक निर्णायक भूमिका निभाएगा। केजरीवाल ने महिला सम्मान योजना की घोषणा कर उन्हें रिझाने की कोशिश की है।'

राजनीतिक तौर पर केजरीवाल बहुत चतुर हैं। वह समय के साथ अपनी रणनीति बदलने में माहिर हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने बीजेपी के नैरेटिव को जड़ नहीं पकड़ने दी। हालांकि मध्य वर्ग में उनका आधार कम हुआ हो सकता है लेकिन झुग्गी झोपड़ी और निम्न मध्यवर्गीय इलाक़ों में उनकी पकड़ अभी भी बरक़रार है और अपनी योजनाओं से उन्होंने इसे और मज़बूत ही किया है। बीजेपी और कांग्रेस की ओर से तमाम तीखे हमलों के बावजूद 'यह चुनाव भी केजरीवाल के इर्द-गिर्द ही रहने वाला है।'

बीजेपी भले ही बीते दो दशकों में दिल्ली की सत्ता पर काबिज़ नहीं हुई लेकिन इसके दौरान उसका वोट शेयर 32 प्रतिशत से कम भी नहीं हुआ, बल्कि पिछले लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के कुल वोट शेयर से अधिक ही रहा। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने 70 में से 62 सीटों पर जीत दर्ज की थी। बीजेपी को आठ सीटें मिली थीं और 2015 की तरह ही कांग्रेस को एक सीट भी नहीं मिल पाई। वोट शेयर में कम होता अंतर और आठ महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर जीत, बीजेपी की उम्मीद की बड़ी वजहें हैं।

'पीएम मोदी की आक्रामक एंट्री ने इस चुनाव को और रोचक बना दिया है। वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद जोशी कहते हैं, पीएम नरेंद्र मोदी ने आम आदमी पार्टी पर हमला किया है, यानी वह कांग्रेस को तो इस लड़ाई में गिन भी नहीं रहे हैं। पीएम मोदी की 'आक्रामक एंट्री' से यही लगता है कि बीजेपी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नहीं है। लेकिन आम आदमी पार्टी का भी यही हाल है। आप में सत्ता विरोधी लहर का डर है। जबकि बीजेपी की आक्रामकता की वजह है कि वह इस मौके पर नैरेटिव में छा जाना चाहती है और केजरीवाल के ख़िलाफ़ आरोपों को जनता के बीच फैला देना चाहती है।'

पीएम मोदी ने चुनावी तारीख़ें घोषित होने के पहले कई योजनाओं का शिलान्यास किया और दिल्ली को एक विश्वस्तरीय राजधानी बनाने का वादा किया। इस तरह बीजेपी दो तरफ़ा रणनीति अपना रही है, एक तरफ़ आप सरकार पर हमला और दूसरी तरफ़ विकास का नैरेटिव जनता में ले जाना। दिल्ली में 1998 से 2013 तक 15 साल तक कांग्रेस थी। 2013 के चुनाव में भी वह तीसरी बड़ी ताक़त (आठ सीटें) थी। त्रिशंकु विधानसभा के चलते आम आदमी पार्टी (28 सीटें) को उससे हाथ मिलाकर सरकार बनानी पड़ी। लेकिन उसके बाद से कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं जीत पाया। दिल्ली में कांग्रेस के चुनावी प्रचार की अगुवाई संदीप दीक्षित कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन का दोनों ही पार्टियों को फायदा नहीं मिला। इसे लेकर कांग्रेस के अंदर भी मतभेद सामने आए। दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन और संदीप दीक्षित इस गठबंधन के पक्ष में नहीं थे। अब कांग्रेस और आप अकेले बूते पर चुनावी मैदान में हैं। विश्लेषक कहते हैं कि कांग्रेस इस चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश करेगी, लेकिन अभी उसकी तरफ़ से कोई ख़ास रणनीति सामने नहीं आई है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

अब म.प्र.सरकार युवाओं को देगी सेना-पुलिस की ट्रेनिंग

श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थस्थल बनाएंगे : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के युवाओं को अब सरकार सेना, पुलिस और पैरा मिलिट्री की ट्रेनिंग भी देगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को भोपाल में पार्थ स्कीम यानी, पुलिस आर्मी रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग एंड हुनर की शुरुआत की। एक अन्य योजना, मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान को भी उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर लॉन्च किया। खेल मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद थे। सरकार संभाग स्तर पर युवाओं को प्रशिक्षण देगी।

सीएम डॉ. यादव टीटी स्टेडियम में चल रहे 28वें राज्य स्तरीय युवा उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यहां 6 जनवरी से युवा उत्सव चल रहा था। प्रदेशभर के करीब 350 युवाओं में से 45 का चयन राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए किया गया है, जो दिल्ली में अपना प्रदर्शन करेंगे। खेल मंत्री सारंग ने बताया, इस योजना में प्रदेश के युवाओं को भारतीय सेना, पुलिस, पैरा मिलिट्री आदि में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए भर्ती पूर्व ट्रेनिंग दी जाएगी। खेल विभाग की संभाग स्तरीय अधोसंरचना में भी युवाओं को प्रशिक्षण मिल सकेगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन के क्षेत्र में भी विकास की जिक्र किया। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली है। यहीं उनकी सुदामा से मित्रता हुई थी। इसलिए उन सभी जगहों को चिह्नित किया जाएगा। हमारी सरकार ने फैसला लिया है कि तीर्थ बनाया जाएगा। धार के पास माता रुक्मणी का हरण हुआ था। अमेरिका की प्रसिद्ध पर्यटन पत्रिका ने मध्यप्रदेश को 10 प्रसिद्ध पर्यटन स्थानों में जगह दी है। इससे पता चलता है कि प्रदेश में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं है। हमारी सरकार लगभग हर क्षेत्र में विकास कार्य कर रही है।

लोकगीत पर नृत्य प्रस्तुति से झूमा स्टेडियम

कार्यक्रम में चयनित युवाओं ने प्रदेश के बुंदेलखंडी लोकगीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में युवतियां ने नृत्य कर देवियों का वर्णन किया। वहीं, युवकों ने पारंपरिक नृत्य से उनकी आराधना की। खास बात यह रही कि पूरी प्रस्तुति एक युवती के गायन पर की गई। इस दौरान पूरे स्टेडियम में उत्साह का माहौल बन रहा। चयनित सभी युवा पारंपरिक पीले कुर्ते-पजामे और पगड़ी में नजर आए। युवाओं ने बताया कि इस पोशाक को पहनने का अपना अलग ही महत्व है। यह विकास के साथ संस्कृति से जुड़ाव को बताती है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं के जोश और हुनर की सराहना की

लोकनृत्य की प्रस्तुति के बाद मुख्यमंत्री ने युवाओं के जोश और हुनर की सराहना की। उन्होंने कहा, युवाओं की प्रस्तुति देख ऐसा लगा कि राजनीति छोड़कर इस लोकनृत्य को ही देखते रहे। प्रस्तुति के दौरान स्टेडियम में बने उत्साह पता चलता है कि दिल्ली जाने के लिए प्रदेश के सर्वोच्च युवाओं का चयन हुआ है।

45 युवा नेशनल यंग लीडर डायलॉग 2025 में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे

कार्यक्रम में मंत्री सारंग ने बताया कि प्रदेशभर से चयनित 45 युवा यंग लीडर डायलॉग 2025 में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यंग लीडर डायलॉग 11 और 12 जनवरी को दिल्ली में होगा, जिसमें हर राज्य से चयनित युवा प्रधानमंत्री मोदी के सामने 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए अपने सुझाव देंगे।

वन नेशन वन इलेक्शन पर जेपीसी की बैठक

● 39 सदस्यों वाली समिति में प्रियंका गांधी, संबित पात्रा, सुप्रिया सुले, कल्याण बनर्जी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक देश एक चुनाव के लिए संसद में पेश हुए 129 वें संविधान (संशोधन) बिल की समीक्षा के लिए बनी जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) की बुधवार को पहली बैठक हो रही है। संसद के शीतकालीन सत्र में बिल के पेश होने के बाद 31 सदस्यों (लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सांसद) वाली जेपीसी का गठन किया गया था। हालांकि, कई पार्टियों की तरफ से जेपीसी में शामिल किए जाने के अनुरोध के बाद सरकार ने समिति में 8 सदस्य बढ़ा दिए। अब इस समिति में 27 सांसद लोकसभा से और 12 सांसद राज्यसभा से हैं। 39 सदस्यों वाली जेपीसी में कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी और सुखदेव भगत सिंह को शामिल किया गया है। भाजपा की तरफ से बड़े नामों में बांसुरी स्वराज, संबित पात्रा और अनुराग सिंह ठाकुर हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से कल्याण बनर्जी का नाम है। इसके अलावा सपा, आरजेडी, डीएमके समेत अन्य पार्टियों से भी सांसदों को इस जेपीसी का सदस्य बनाया गया है। इस समिति को अगले सत्र के आखिरी हफ्ते के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट पेश करनी होगी। संसद में बिल पेश करने के लिए सरकार को बहुमत नहीं मिला कानून मंत्री मेघवाल ने 17 दिसंबर को लोकसभा में एक

देश-एक चुनाव को लेकर संविधान संशोधन बिल रखा था। विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया। इसके बाद बिल पेश करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई गई। कुछ सांसदों की आपत्ति के बाद वोट संशोधित करने के लिए पर्ची से दोबारा मतदान हुआ।

इस वोटिंग में बिल पेश करने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 वोट पड़े। इसके बाद कानून मंत्री ने बिल दोबारा सदन में रखा। लोकसभा की 543 सीटों में एनडीए के पास अभी 292 सीटें हैं। दो तिहाई बहुमत के लिए 362 का आंकड़ा जरूरी है।

सुप्रभात

स्मिता पाटिल सी स्त्रियां
कुछ कुछ सरल
कुछ जटिल सी स्त्रियां
लगती इंट्रोवर्ट
होती एक्स्ट्रोवर्ट
ये स्त्रियां
धीर गंभीर मुस्कान पहनती
गाढ़े काजल की धार
सी स्त्रियां
शांत नदी के गहरे भंवर सी
कभी प्रेम पगी
गई प्रेम में छली
ये स्त्रियां
खंडहर वीरानों
में भी उगकर
खिली रही हरसिंगार
सी स्त्रियां
समझ की पक्की
सड़क पर चलते
अटक कर भटके
अबोध बालक सी स्त्रियां।

- सुजाता

मनमोहन के बाद प्रणब दा की समाधि का हुआ ऐलान

● मोदी सरकार ने चला बड़ा दांव, कांग्रेस को यूं घेर लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर जारी सियासी घमासान के बीच बीजेपी की केंद्र सरकार ने बड़ा दांव खेला है। केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति और कांग्रेस के दिग्गज नेता प्रणब मुखर्जी के स्मारक बनाने को मंजूरी दे दी है। मुखर्जी का स्मारक राजघाट स्थित राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर बनेगा। जोकि राष्ट्रपतियों, उपराष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के लिए निर्धारित स्मारक परिसर है। खास बात यह है कि प्रणब मुखर्जी के स्मारक बनाने की मांग ना तो उनके परिवार ने की और ना ही कांग्रेस पार्टी ने। केंद्र सरकार के फैसले पर प्रणब मुखर्जी

की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने खुशी जताई। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बाबा के लिए स्मारक बनाने के सरकार के फैसले के लिए दिल से धन्यवाद । यह और भी खास है क्योंकि हमने इसके लिए नहीं कहा था। बाबा कहते थे कि राजकीय सम्मान मांगा नहीं जाता, दिया जाता है। मेरे पास खुशी जताने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। शर्मिष्ठा मुखर्जी खुद भी कांग्रेस नेता हैं। मनमोहन सिंह के निधन के बाद भी उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि जब 2020 में उनके पिता का निधन हुआ था, तब कांग्रेस कार्य समिति की बैठक तक नहीं बुलाई थी।

मौसम का पूर्वानुमान अब होगा और भी ज्यादा सटीक !

● सरकार करने जा रही है बड़ा बदलाव, डोमेस्टिक एयरलाइंस करेंगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग समय के साथ एडवांस तकनीक का प्रयोग कर रहा है। इसका फायदा यह हुआ है कि पहले की तुलना में मौसम को लेकर अनुमान ज्यादा बेहतर हुआ है। अब मौसम के पूर्वानुमान को लेकर एक और अच्छी खबर है, जिसका फायदा किसानों को हो सकता है। न्यूज एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार डोमेस्टिक एयरलाइंस के लिए एयरक्राफ्ट द्वारा टेक-ऑफ और लैंडिंग के दौरान कैप्चर किए गए मौसम संबंधी डाटा को एजेंसी के साथ शेयर करना अनिवार्य बनाने की योजना बना रही है। आईएमडी से बातचीत में यूनियन मिनिस्ट्री ऑफ अर्थ साइंस के सेक्रेटरी एम रविचंद्रन ने

कहा कि इस विषय पर मिनिस्ट्री सिविल एविएशन मंत्रालय से बातचीत कर रही है और एक साल के अंदर मौसम संबंधित डेटा शेयर करना अनिवार्य कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अनिवार्य बनाना होगा। यह न सिर्फ एयरलाइन ऑपरेशन बल्कि हर जगह मौसम के पूर्वानुमान के लिए लाभदायक होगा। मिनिस्ट्री ऑफ अर्थ साइंस के सेक्रेटरी एम रविचंद्रन ने बताया कि मौसम का पूर्वानुमान काफी हद तक जमा की गई ऑब्जर्वेशनंस की संख्या पर निर्भर है। उन्होंने आगे कहा कि जितने ज्यादा ऑब्जर्वेशन हमारे पास होंगे, उतना ही बेहतर हमारा प्रेडिक्शन होगा। उन्होंने कहा कि यह एग्जिट पोल जैसे ही है, जहां आप ज्यादा जगहों से डाटा लेते हैं तो आपको बेहतर पिक्चर मिलती है।

अब इंटरनेशनल खिलाड़ी बनेंगे बाबा रामदेव !

रेडी-टू-ईट प्रॉडक्ट्स का करेंगे एक्सपोर्ट, बनाई नई कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स ने रेडी-टू-ईट फूड प्रॉडक्ट्स में एंट्री की है। कंपनी ने इस तरह के प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट के लिए एक नई कंपनी फार्म टू फ्रीज बनाई है। कंपनी ने आज हंगरी ब्रांड के तहत रेडी-टू-ईट फूड प्रॉडक्ट्स को इंटरनेशनल मार्केट में लॉन्च किया। बाबा रामदेव ने ग्रेटर नोएडा में आयोजित मेला 2025 में इसको लॉन्च किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, विचारों और खाने की विविधता को पूरी दुनिया में पसंद किया जा रहा है। बाबा रामदेव ने कहा, प्रयागराज के कुंभ से पहले यह आहार का कुंभ है। हम भारत के आहार की, भारत के विचार की और भारत के संस्कार की विविधता पूरी दुनिया को दे रहे हैं। दुनिया इसे पसंद कर रही है। पतंजलि ने एक्सपोर्ट के लिए फार्म टु फ्रीज नाम से एक नई कंपनी बनाई है। इसके तरह हंगरी ब्रांड से रेडी- टू-ईट प्रॉडक्ट्स को पहले एक्सपोर्ट किया जाएगा। इसकी आज लॉन्चिंग हो रही है। फिर इसे भारत में भी लॉन्च किया जाएगा। इसमें हेल्दी और टेस्टी रेडी-टू-ईट और फ्रोजन फूड प्रॉडक्ट्स होंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 09 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पीएम मोदी ने काम करने का बदल दिया है नजरिया

● जयशंकर बोले-पहले की सरकारें कहती थीं-चलता है

भुवनेश्वर (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारों के काम करने का नजरिया बदल दिया है। उन्होंने देश को 'चलता है' से 'होगा कैसे नहीं' वाला एटिट्यूड दिया है। जयशंकर ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में प्रवासी भारतीय दिवस

सम्मेलन में बोल रहे थे। भुवनेश्वर में 8 से 10 जनवरी तक 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी 9 जनवरी को सुबह 10.00 बजे इसका उद्घाटन करेंगे। इसमें 50 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। पीएम गुरुवार को भारत की वैश्विक भागीदारी के बढ़ते महत्व और देश के भविष्य को आकार देने में प्रवासी समुदाय की भूमिका पर बोलेंगे। इससे पहले जयशंकर ने बुधवार को वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने में भारत की युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की एक याद साझा की। उन्होंने कहा कि सिंधु ने पीएम को यूथ आइकन बताया था। सिंधु ने कहा था कि पीएम मोदी ने देश को 'चलता है' से 'होगा कैसे नहीं' वाला एटिट्यूड दिया है।

डीएम-एसपी बताएं हाथरस में 121 मौतों का जिम्मेदार कौन?

हाईकोर्ट बोला-आपको जिम्मेदार क्यों न माना जाए,कोर्ट में आकर बताएं

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान 2 जुलाई, 2024 को भगदड़ से 121 लोगों की मौत हुई थी। इससे नाराज इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाथरस के तत्कालीन डीएम और एसपी को जवाबी हलफनामे के साथ 15 जनवरी को कोर्ट में तलब किया है। कोर्ट ने पूछा है-

हादसे का जिम्मेदार कौन है। बदइंतजामी के लिए क्यों न आपकी जिम्मेदारी तय की जाए। हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव ने भगदड़ मामले में आरोपी महिला मंजू देवी की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने प्रयागराज डीएम और पुलिस कमिश्नर को हाथरस की घटना से सबक लेते हुए महाकुंभ में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के आदेश दिए। कोर्ट ने आदेश की कॉपी एसपी हाथरस, गृह सचिव उत्तर प्रदेश, आयुक्त, जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को भेजे हैं। हाथरस में जब भगदड़ हुई थी, तब डीएम आशीष कुमार और एसपी निपुण अग्रवाल थे।

चुनाव से पहले केजरीवाल ने खेला बड़ा सनातन दांव

● दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने अब कर दिया नया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ा दांव चल दिया है। पार्टी ने सनातन सेवा समिति के गठन का ऐलान किया है। इसे भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ का जवाब माना जा रहा है। अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के कई सदस्यों को इस विंग में शामिल भी किया गया। पुजारियों और ग्रंथियों को मासिक 18 हजार रुपए का ऐलान कर चुकी पार्टी ने कई संतों की मौजूदगी में नई विंग की घोषणा की। आम आदमी पार्टी के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संतों का स्वागत किया गया जिनमें जगतगुरु रामानुजाचार्य, स्वामी योगेश्वर महाराज, स्वामी अवधेश महाराज, कथावाचक आचार्य मधुर दास जी महाराज, बालाजी महंत महेश चंद्र जी महाराज समेत अनेक संत और पुजारी शामिल हुए। अरविंद केजरीवाल ने संतों को भगवा अंगवस्त्र देकर स्वागत किया।

आज केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से भेंट कर बजट संबंधी विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

डिजिटल अरेस्ट करने वाला गिरोह पकड़ाया

जबलपुर, कटनी और सतना से 12 आरोपी गिरफ्तार; लोगों से ठगे 2 करोड़ से ज्यादा रुपए

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में स्टेट साइबर सेल और एसटीएफ ने 12 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। प्रदेश भर की 15 टीमों ने एक साथ जबलपुर, कटनी, मैहर और सतना में रेड मारते हुए अलग-अलग स्थानों से इन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

स्टेट साइबर सेल ने बुधवार को सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया और पूछताछ के लिए दो सप्ताह का रिमांड लिया है। साइबर टीम ने शुरुआती जांच में पाया कि अभी तक दो करोड़ रुपए से अधिक की ठगी इन साइबर ठगों ने की थी। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपियों की संख्या और भी बढ़ सकती है।दोनों ही टीम इन ठगों के पीछे बीते एक माह से लगी हुई थी। साइबर सेल और एसटीएफ ने 12 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया है।

मजदूर, कम पढ़े-लिखे और बुजुर्ग थे टारगेट-दरअसल, स्टेट साइबर सेल के पास लगातार शिकायत आ रही थी कि मध्यप्रदेश में एक ऐसा गिरोह संचालित हो रहा है, जिसमें कि युवा और पढ़े-लिखे लोग हैं। ये लोग फोन करने के बाद पहले तो लोगों को पुलिस अधिकारी बनकर धमकी देते थे, और फिर डिजिटल अरेस्ट कर लाखों-करोड़ों रुपए ऐंठ लिया करते

हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने यह भी बताया कि ये लोग खास तौर पर मजदूर, कम पढ़े-लिखे और बुजुर्गों को अपना निशाना बनाते थे।आरोपियों से पूछताछ के लिए दो सप्ताह के लिए समय दिया गया है।

जबलपुर, कटनी और सतना से किए गिरफ्तार-एसटीएफ निरीक्षक निलेश का कहना है कि इन आरोपियों की संख्या अभी और भी बढ़ सकती है। इन 12 आरोपियों को जबलपुर के अलावा कटनी, सतना से गिरफ्तार किया है। आरोपी इतने सारे थे कि पुलिस की टीम इन सभी को रस्सी से बांधकर कोर्ट लेकर पहुंची थी। फिलहाल इनके गैंग के और भी सदस्य होने की सूचना मिली है, जल्द ही उन लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जॉय-राइड पर दिव्यांग बच्चे पहुंचे इंदौर

मुख्य न्यायाधीश श्री कैत ने हवाई टिकिट देकर फ्लाइट से किया रवाना

भोपाल (नप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की पहल पर जबलपुर के 5 दिव्यांग बच्चों की जॉय-राइड की इच्छा आज पूर्ण हुई। यह बच्चे जबलपुर से इंडिगो की उड़ान से इंदौर पहुंचे हैं। इन बच्चों को जबलपुर एयरपोर्ट पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत ने हवाई टिकिट प्रदान कर रवाना किया। ये सभी बच्चे इंदौर शहर का भ्रमण करेंगे। इस दौरान बच्चे इंदौर के राजवाड़ा और चिड़िया घर का भ्रमण करेंगे, 56 दुकान के पकवानों का

जायका लेंगे और खजराना गणेश मंदिर में दर्शन करेंगे। हवाई यात्रा में आने-जाने के दौरान इन बच्चों का ध्यान रखने के लिये 2 शिक्षक, 2 अभिभावक और 2 जे.जे.सी. सदस्य साथ हैं।

फिल्म मेकर ,लेखक प्रीतीश नंदी का निधन, 73 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

मुंबई। जाने-माने फिल्म मेकर, कवि और लेखक प्रीतीश नंदी का निधन हो गया है। प्रीतीश ने 73 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। अनुपम खेर ने उनके निधन की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर नंदी के निधन पर शोक जताया है। अनुपम खेर ने लिखा है- मेरे सबसे प्रिय और करीबी दोस्तों में से एक प्रीतीश नंदी के निधन के बारे में जानकर बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। अद्भुत कवि, लेखक, फिल्म निर्माता और एक बहादुर और अद्वितीय संपादक और पत्रकार, मुंबई में मेरे शुरुआती दिनों में वह मेरी सहायता और शक्ति का एक बड़ा स्रोत थे।

भोपाल प्रेस क्लब प्रतिनिधिमंडल की विधानसभा अध्यक्ष से भेंट

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र तोमर से बुधवार को भोपाल प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की तथा उन्हें कार्यकाल का एक वर्ष निर्बाध, सुचारु रूप से पूर्ण करने पर बधाई दी। इस दौरान पत्रकारों एवं मीडिया जगत से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनसे विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री से बात करके समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश सक्सेना, अरुण पटेल, अजय बोकिल, संजीव आचार्य, संजय सक्सेना, विजय शर्मा, अलंकृत दुबे आदि उपस्थित थे।

प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों पर पार्सल लोडिंग पर रोक

महाकुंभ की सुरक्षा के मद्देनजर न पार्सल आएंगे न ही भेजे जा सकेंगे

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ मेला-2025 की सुरक्षा के मद्देनजर कई कदम उठाए जा रहे हैं। रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी जंक्शन और सूबेदारगंज स्टेशन से आरंभ होने वाली और अन्य डिवीजनों से शुरू होकर इन स्टेशनों से होकर गुजरने वाली और रुकने वाली गाड़ियों में पार्सल पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इस दौरान बोनाफाइड लगेज, समाचार पत्रों-पत्रिकाओं एवं पेरिसेबल आइटम की लोडिंग ही होगी। किसी भी प्रकार के पार्सल को कहीं नहीं भेजा जाएगा। ऐसा महाकुंभ की सुरक्षा की वजह से किया गया है। पार्सल के जरिए साजिश की जा सकती है।

इसरो चेयरमैन का ऐलान वी नारायणन को कमान

● चंद्रयान-3 वाले एस सोमनाथ लेंगे इसरो से विदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 के रूप में भारत को ऐतिहासिक सफलता दिलाने वाले इसरो चीफ एस सोमनाथ की विदाई का समय आ गया है। उनका कार्यकाल 14 जनवरी को पूरा हो रहा है। मंगलवार को सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के नए प्रमुख का भी ऐलान कर दिया है। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, डॉक्टर वी नारायणन पद संभालने जा रहे हैं। विज्ञान के क्षेत्र में डॉक्टर वी नारायणन बड़ा नाम हैं। उन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएचडी हासिल की है। फिलहाल, वह लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर के निदेशक हैं। भारतीय अंतरिक्ष संगठन में चार

दशक से ज्यादा के अनुभव के दौरान वह कई अहम पदों पर रहे हैं। खबर है कि वह रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट प्रोपल्शन के विद्वान हैं। उनकी उपलब्धियों में सी 25 क्रायोजैनिक प्रोजेक्ट शामिल है। वह इसके प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे। इसरो के अनुसार, डॉक्टर नारायणन की साल 1984 में इसरो में एंट्री हुई थी।

खेत में बनी झोपड़ी में लगी आग, तीन मासूम बच्चियां झुलसीं, दो की मौत

दमोह। मध्यप्रदेश के दमोह जिले के मगरोन थाना क्षेत्र के बरोदा गांव में खेत में बनी एक झोपड़ी में बुधवार शाम अचानक आग लग गई। जिससे कुछ ही देर में पूरी झोपड़ी आग में घिर गई और अंदर मौजूद तीन मासूम बच्चियां बुरी तरह झुलस गईं । आग उठते देख स्थानीय लोगों ने आग बुझाई और परिजनों को सूचित किया। बच्चियों को इलाज के लिए हटा सिविल अस्पताल लाया गया वहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां दो की मौत हो गई है और एक की हालत गंभीर होने पर जबलपुर रेफर किया गया।

महाकुंभ में कूड़े से निपटने के लिए इसरो की बड़ी तैयारी

● बीएआरसी ने भी बनाया प्लान,जियोट्यूब तकनीक से होगी सफाई ● योगी सरकार प्रयाग कुंभ मेले पर खर्च कर रही 7000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से महाकुंभ 2025 का आगाज होने जा रहा है। गंगा के किनारे आगंतुकों के लिए 10,000 एकड़ में तंबुओं की नगरी तैयार हो रही है। 45 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन के दौरान अधिकारियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे का प्रबंधन और उपचार है। प्रत्येक 12 साल बाद आयोजित होने वाला महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी को समाप्त होगा। देश में होने वाले सबसे बड़े धार्मिक समागमों में से एक इस वर्ष मेले में लगभग 40 करोड़ आगंतुकों के आने की उम्मीद है, इसके अलावा 50 लाख तीर्थयात्रियों और साधुओं के भी पूरी अवधि के लिए शिविरों में रहने की योजना है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के इकट्ठा होने का मतलब है कि अधिकारियों को हर दिन पैदा होने वाले भारी मात्रा में कचरे से निपटने के तरीके खोजने होंगे। सूत्रों ने बताया कि अधिकारी मानव अपशिष्ट, खास तौर पर मल और ग्रेवाटर (खाना पकाने, कपड़े धोने और नहाने से निकलने वाला अपशिष्ट जल) से निपटने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और भारतीय अंतरिक्ष

अनुसंधान संगठन द्वारा विकसित तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष कुंभ मेले पर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा खर्च किए जा रहे 7,000 करोड़ रुपये में से 1,600 करोड़ रुपये अकेले अपशिष्ट प्रबंधन के लिए निर्धारित किए गए हैं।

● **कुंभ मेला मैदान को 25 सेक्टरों में किया गया विभाजित**- राज्य सरकार ने दिसंबर 2024 में मेला क्षेत्र को चार महीने के लिए उत्तर प्रदेश के 76वें जिले के रूप में अधिसूचित किया था। अधिकारियों का कहना है कि मेला मैदान को 25 सेक्टरों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक के जल आपूर्ति, जल निकासी प्रणाली और अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचे के साथ शहर के वार्ड की तरह काम करेगा। उन्होंने कहा कि इस साल के कुंभ को सबसे बड़ा ओडीएफ धार्मिक समागम बनाने के लिए कई उपाय किए गए हैं। इन उपायों में 1.45 लाख शौचालयों की स्थापना; शौचालयों के अस्थायी सेप्टिक टैंकों में एकत्र अपशिष्ट और कीचड़ को संभालने के लिए पूर्वनिर्मित मल कीचड़ उपचार संयंत्र की स्थापना; सभी ग्रेवाटर को उपचार सुविधाओं और अस्थायी और स्थायी सीवेज पाइपलाइनों तक पहुंचाने के लिए 200 किलोमीटर की अस्थायी जल निकासी प्रणाली की स्थापना; जल उपचार तालाबों का निर्माण; कीचड़ ले जाने वाले वाहनों की तैनाती और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग।

असम की खदान में 100 फीट तक पहुंचा पानी

● 1 श्रमिक की मौत,आठ को बचाने की कोशिशें तेज

दीमाहसाओ (एजेंसी)। असम के दीमा हसाओ जिले में सोमवार शाम से 300 फीट गहरे कोयला खदान में फंसे मजदूरों को बचाने की कोशिशें लगातार जारी है। इस बीच सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने एक मजदूर के मौत की पुष्टि की है। वहीं खदान के अंदर पानी का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को खदान में पानी का स्तर 100 फीट के आसपास पहुंच गया जिससे खतरा बढ़ता जा रहा है। मौके पर एनडीआरफ और एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात हैं। मंगलवार को रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी लाने के लिए भारतीय नौसेना के

गोताखोरों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि विशाखापत्तनम से नौसेना के गोताखोरों को बुलाया गया है। गौरतलब है कि खदान में पानी का स्तर अचानक बढ़ने के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था और भारतीय सेना, असम राइफल्स और स्थानीय अधिकारियों सहित कई एजेंसियां मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय सेना और असम राइफल्स के गोताखोरों और इंजीनियरों की टास्क फोर्स फंसे हुए माइनर्स को खोजने के लिए खदान के अंदर गोता भी लगाया हालांकि कोई पता नहीं चल पाया है।

बांग्लादेश दरकिनार, भारत में ही रहेंगी शेख हसीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बांगलादेश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना की वीजा बढ़ा दिया है। यह कदम उस समय उठाया गया है जब ढाका में उनकी प्रत्यर्पण की मांग तेज हो रही है। शेख हसीना पिछले अगस्त में देश छोड़कर भारत आई थीं। बांगलादेश में उनके

खिलाफ छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया था। सूत्रों के मुताबिक, उनका वीजा हाल ही में बढ़ाया गया है, ताकि वह भारत में पहले की तरह रह सकें। सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत ने उन्हें शरण नहीं दी है क्योंकि भारत में शरणार्थियों के लिए कोई विशेष कानून नहीं है। बांगलादेश के अंतरिम सरकार ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए 23 दिसंबर को एक डिप्लोमैटिक नोट भारत के विदेश मंत्रालय को भेजा था। हालांकि, भारत सरकार ने अब तक इस पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

महाराष्ट्र में 3 गांवों के 60 लोग अचानक हुए गंजे

● बाल झड़ने की अजीब बीमारी,बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक परेशान, सबसे ज्यादा महिलाएं प्रभावित

बुलढाना (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बुलढाना शहर में अजब बीमारी फैल रही है। यहां के 3 गांवों में पिछले 3 दिन में अचानक 60 लोग गंजेपन का शिकार हुए हैं। शहर के शेगाव तहसील के बोंडगांव, कालवड़ और हिंगना गांवों में बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी लोगों के बाल झड़ने लगे हैं। इससे सभी गंजे होते जा रहे हैं, यहां तक कि महिलाएं भी इसका शिकार हो रही हैं। गांवों में फैल रही ये बीमारी कौन सी है, अभी इसका पता नहीं चल पाया है। यह बीमारी जेनेटिक है या नहीं, इसका पता लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इन गांवों में जाकर सर्वे पूरा कर लिया है। साथ ही पानी का सैंपल भी ले लिया गया है। इस बीमारी के पहले दिन व्यक्ति के सिर में खुजली शुरू होती है। दूसरे दिन से बाल हाथ में आने शुरू हो जाते हैं, और तीसरे

दिन मरीज गंजा हो जाता है। इस बीमारी से सबसे ज्यादा महिलाएं पीड़ित हैं। अधिकतर मरीजों ने प्राइवेट अस्पताल में अपना इलाज कराना शुरू कर दिया है। अचानक फैली इस बीमारी से स्वास्थ्य विभाग भी हैरत में है।

कड़ाके की ठंड, ओस बनी बर्फ

मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक तेज ठंड जारी रहेगी

पारा 6.6 डिग्री, पिछले 7 सालों का तोड़ा रिकॉर्ड

इंदौर (नप्र)। इंदौर के आसपास कई जगह ओस बर्फ बनकर जम गई। मौसम विभाग के अनुसार इंदौर में कड़ाके की ठंड, मंगलवार की रात न्यूनतम तापमान 6.6 सेंटीग्रेड रहा जो कि सामान्य 4 डिग्री कम था, अधिकतम तापमान भी 22.1 सेंटीग्रेड था जो सामान्य 4 डिग्री कम रहा। बुधवार को भी इंदौर दिनभर ठिठुरता रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक तेज ठंड जारी रहेगी । विभाग के अनुसार कश्मीर की ओर से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण तापमान में इतनी गिरावट आई है। शहर में एक बार फिर ठंड ने जोरदार वापसी की है।

इंदौर एयरपोर्ट स्थित मौसम केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार कल दिन का अधिकतम तापमान 22.1 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री और परसों की अपेक्षा 2.1 डिग्री कम था। वहीं रात का न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री और परसों रात की अपेक्षा 2.7 डिग्री कम था।

इस दौरान हवाओं का रुख उत्तरी और उत्तर-पूर्वी रहा और हवाओं की अधिकतम रफ्तार 17 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर

भारत में हो रही बर्फबारी और उस ओर से ही आ रही हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आई है।

पिछले 10 सालों में 2019 रहा सबसे ठंडा

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 10 सालों में 2019 सबसे ज्यादा ठंडा रहा है। 29 जनवरी 2019 को तापमान गिरकर 5.6 डिग्री पर पहुंचा था, जो 10 सालों का सबसे कम तापमान है। वहीं पिछले साल न्यूनतम तापमान 9 डिग्री तक ही पहुंचा था, जो 10 सालों का सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान था। लेकिन इस साल कल रात तापमान के 6.6 डिग्री पर पहुंच जाने के कारण पिछले 10 में से 7 सालों का रिकार्ड टूट गया। सिर्फ 2017, 2019 और 2022 का ही रिकार्ड बाकी रह गया। इस तरह पिछले 10 सालों में यह साल चौथा सबसे ठंडा साल भी बन गया है।

दो ही रातों में आधा रह गया तापमान

शहर के तापमान में पिछले 2 दिनों में भारी गिरावट देखने को मिली है। रविवार 5 जनवरी को दिन का अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री था और रात का 13.1 डिग्री, जबकि दो ही दिन बाद कल मंगलवार 7 जनवरी को दिन का तापमान 22.1 डिग्री और रात का 6.6 डिग्री रहा, यानी 48 घंटों में ही दिन का तापमान 8.1 डिग्री और रात का 6.5 डिग्री गिर गया।

आज भी कड़ाके की ठंड, कल से मिलेगी राहत

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आज भी ठंड का असर कल की ही तरह बरकरार रहेगा। दिन का तापमान 23 से 23 डिग्री और रात का 6 से 8 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। हालांकि कल से तापमान में बढ़ोतरी का दौर शुरू होगा, जिससे ठंड से कांपते शहर को थोड़ी राहत मिलेगी। अनुमान है कि अब इस सीजन में इससे कम तापमान नहीं जाएगा और ठंड औसत स्तर पर ही बनी रहेगी।

राजू हत्याकांड का मामला प्रदर्शनकारियों पर केस

धार्मिक स्थल पर पथराव करने वाली भीड़ पर भी कार्रवाई, सीसीटीवी खंगालने में जुटी पुलिस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के रावजी बाजार इलाके में दो दिन पहले हुए हत्याकांड के मामले में प्रदर्शन करने वाले लोगों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। सोमवार को हुए धरना और चक्का जाम के कारण प्रदर्शनकारियों को आरोपी बनाया गया है। इनमें गैरेज संचालक के दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान यातायात बाधित हुआ और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। साथ ही, धरना प्रदर्शन के नियमों का उल्लंघन करते हुए कमिश्नर के आदेश की अवहेलना की गई। रावजी बाजार पुलिस ने गैरेज संचालक राज कुशवाह की मौत के बाद धरना, प्रदर्शन और चक्का जाम करने वाली भीड़ के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में केस दर्ज किया है। इस मामले में सोनू कुशवाह, तुषार और राज के परिवार के अन्य सदस्यों पर कार्रवाई की गई है। पुलिस ने अपनी शिकायत में बताया कि प्रदर्शनकारियों ने गाड़ी अड्डा क्षेत्र में

यातायात को बाधित किया, जिससे कानून व्यवस्था और लोक शांति प्रभावित हुई। पुलिस ने यह भी बताया कि प्रदर्शन के कारण घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही।कमिश्नर के आदेशों का उल्लंघन करते हुए धरना प्रदर्शन करने को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़, भीड़ पर केस दर्ज- सदर बाजार के सिकंदराबाद कॉलोनी में बब्बर मरोले की हत्या के बाद, दूसरे दिन शव यात्रा के दौरान हंगामा हुआ। इसी बीच, भीड़ में शामिल कुछ शरारती तत्वों ने एक धार्मिक स्थल पर पथराव और तोड़फोड़ की।

पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। नर्सिंग स्टाफ में कार्यरत आफताब कुरैशी ने शिकायत में बताया कि वह किला मैदान स्थित धार्मिक स्थल पर दोपहर में इबादत करने गए थे। उसी दौरान, अज्ञात लोगों की भीड़ वहां पहुंची और धार्मिक स्थल पर लगे बैनर, झंडे और लोहे के एंगल निकालने लगी। इसके बाद हरी जाली को जलाने का प्रयास किया गया। इस तोड़फोड़ से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।

गुम हुए मोबाईल के मिलने से चेहरे पर आई मुस्कान

झाबुआ। पुलिस विभाग कि सायबर टीम द्वारा गुम हुए मोबाईल को सर्च कर उनका पता लगाने के बाद आज पुलिस कंट्रोल रूप में पुलिस अधीक्षक द्वारा आवेदकों को मोबाईल दिए गए। गुम हुए मोबाइल गुजरात और राजस्थान राज्य से भी बरामद किए गए। पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि आमजन के मोबाइल गुम होने की समस्या को ध्यान में रखते हुए जिले की सायबर टीम द्वारा 'ऑपरेशन हेलो' के तहत गुम मोबाइलों को सर्च कर उनका पता लगाकर विभिन्न कंपनियों के कुल 80 मोबाइल बरामद कर आवेदकों को प्रदान किये गए। पुलिस अधीक्षक शुक्ल ने बताया की जिले के समस्त थानों द्वारा वर्ष 2024 में कुल 150 मोबाइल ट्रेस किए जाकर आवेदकों को प्रदान किए ल जा चुके है। इन खोजे गए मोबाइल की अनुमानित कीमत 30 लाख रूपये है। उन्होंने बताया कि सायबर सेल एवं जिले के समस्त थानों द्वारा वर्ष 2024 से अब तक कुल 400 से अधिक मोबाइल बरामद कर आवेदकों को सौंपे गए। जिनकी कीमत लगभग 55 लाख रूपये थी। पुलिस ने आज गुम हुए मोबाइल के आवेदकों को सूचना देकर पुलिस कंट्रोल रूप पर बुलाया था। जिनसें चर्चा कर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें मोबाइल सोंपे। मोबाईल मिलने पर सभी के चेहरे पर खुशी दिखाई दे रही थी। आवेदकों ने धन्यवाद देते हुए पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

11 जनवरी को नर्मदा चौराहा का लोकार्पण

8 बाय 8 की मां नर्मदा की प्रतिकृति और महेश्वर किला होगा आकर्षण

इंदौर (नप्र)। शहर के नर्मदा चौराहे का लोकार्पण 11 जनवरी को किया जाएगा। चौराहे का सौंदर्यीकरण पूरा कर लिया गया है, जिसमें मां नर्मदा की प्रतिकृति, शंख फाउंटेन और महेश्वर का किला आकर्षण का प्रमुख केंद्र होंगे। लोकार्पण से पहले बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त शिवम वर्मा, विधायक मधु वर्मा और निगम के अधिकारी चौराहे पर पहुंचे। इस दौरान महापौर ने अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए और लोकार्पण के संबंध में सभी तैयारियों की समीक्षा की।

आज इंदौर आएंगे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

इंदौर (नप्र)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के गुरुवार को इंदौर आने की संभावना है। बताया जा रहा है कि गडकरी इंदौर पहुंचने के बाद हेलिकॉप्टर से इंदौर-अकोला फोर-लेन हाईवे परियोजना के तहत निर्माणाधीन तेजाजी नगर-बलवाड़ा सेक्शन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे पीथमपुर के लिए रवाना होंगे, जहां वे नेट्रैक्स द्वारा आयोजित बाहा इंडिया कार्यक्रम में शामिल होंगे। पीथमपुर से लौटकर गडकरी दोपहर में ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में चल रही नेशनल हाईवे परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में इंदौर और आसपास के प्रोजेक्ट इम्प्लिमेंटेशन यूनिट के परियोजना निदेशक भी शामिल होंगे। बैठक के दौरान इंदौर की पश्चिमी रिंग रोड समेत अन्य परियोजनाओं में प्रदेश सरकार की ओर से आ रही अड़चनों के बारे में उन्हें जानकारी दी जाएगी। गडकरी इंदौर में नाथ मंदिर के दर्शन के लिए भी जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, मंत्री सुबह विमान से नई दिल्ली से इंदौर पहुंचेंगे।

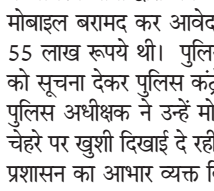

लेडी कॉन्स्टेबल के प्यार में बीएड स्टूडेंट का सुसाइड

इंदौर में फंदे पर मिली लाश, लिखा- रिलेशन मुझसे बनाए, बात किसी और से करती है

इंदौर (नप्र)। इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके में किराए से रहने वाले बीएड छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। गुरुनानक कॉलोनी के मकान में उसका शव फंदे पर लटका मिला। प्रदीप रावत (27) मूल रूप से धार के बांक टांडा का रहने वाला था। परिवार के लोगों ने बताया कि वह यहां जॉब के साथ बीएड की पढ़ाई कर रहा था। पिता खेती-किसानी करते हैं। बताया जा रहा है कि ट्रैफिक पुलिस में पदस्थ एक लेडी कॉन्स्टेबल से प्रदीप का अफेयर था। दोनों की शादी की बात भी चल रही थी। प्रदीप ने सुसाइड नोट भी छोड़ा हैं, जिसमें उसने महिला आरक्षक से परेशान होने का जिक्र किया है। प्रदीप के परिजन ने थाने में शिकायत की है। इसमें लेडी कॉन्स्टेबल से अफेयर की जानकारी भी दी।

प्रदीप ने 5 पेज का सुसाइड नोट छोड़ा- प्रदीप रावत ने मरने से पहले 5 पेज का सुसाइड नोट छोड़ा है। इसमें उसने लिखा- मैं अपने आप से परेशान हो चुका हूं। खुशबू (बदला हुआ नाम) से 2017 से प्यार करता हूं। मैंने आगे रहकर इसे प्रपोज नहीं किया, खुशबू ही मुझे पसंद कर बात करने लगी। बाद में मुझे पता चला कि वो गांव के किसी लड़के से पहले से ही बात करती है। मुझे पता चला तो मैंने खुशबू को बोला कि चाहे तो उससे ही बात करो या मुझसे। उसने लड़के से बात नहीं करने का प्रॉमिस

प्रदीप रावत, मृतक

किया और धीरे-धीरे उससे बात बंद कर दी। फिर वह जोबट के किसी अनजान लड़के से बात करने लगी। इसका पता चलने के बाद उससे भी बात बंद कर दी। हमारी बातें आगे होती रहीं। प्रदीप के भाई का कहना है कि लेडी कॉन्स्टेबल का नौकरी लगने के पहले से अफेयर था।

लिखा-डर था वो मुझसे शादी नहीं करेगी- 2022 में खुशबू पुलिस एग्जाम में क्वॉलिफाई हुई। मैंने उसकी बहुत मदद की। मुझे डर था अब वो मुझसे शादी नहीं करेगी, लेकिन वह मुझे भरोसे में रखकर मुझसे संबंध बनाती रही। नौकरी के दो साल बाद खुशबू बड़वानी के अनुराग से बात करने लगी। इसकी जानकारी मुझे इंस्टाग्राम चैट से लगी। जानकारी मुझे लगने के बाद मैंने कहा कि मुझे कुछ प्रूफ दे दो या घर वालों से बात कर लो। तब खुशबू ने अपने पापा को कॉल किया और कहा कि प्रदीप शादी करने को कह रहा है। उसके पापा ने मेरे बारे में कोई जानकारी नहीं मांगी और सगाई के लिए हां कर दी। फिर वो घर चली गई। मैंने दूसरे दिन पूछा कि घरवाले क्या बोल रहे तो कहने लगी- नौकरी नहीं करता तू, तू (लड़की) ही खिलाएगी क्या?...मैं पूरी तरह टूट गया क्योंकि मेरे पास कुछ नहीं बचा था। 7-8 साल से बात करता था। सभी को पता था। एक बार मैंने खुशबू को उसके साथ एक रूम में देख लिया। मैं इन दोनों के नाम से सुसाइड नोट लिख रहा हूं। अगर मैं झूठ लिख रहा हूं तो मेरे मोबाइल में सब फोटो वीडियो प्रूफ हैं। मैं अपनी जिंदगी से हार मान रहा हूं।

भाई को मोबाइल पर सुसाइड नोट भेजा

प्रदीप के पिता राजू ने बताया कि सोमवार को वह आलीराजपुर में खुशबू के घर गए थे। यहां दोनों की शादी को लेकर बात पक्की हो गई। लेकिन उसी दिन से प्रदीप और खुशबू के बीच फोन पर झगड़ा चल रहा था। मंगलवार दोपहर प्रदीप ने अपने भाई प्रकाश को मोबाइल पर सुसाइड नोट भेजा। इसके बाद शाम को उसने पड़ोस में रहने वाली चचेरी बहन शर्मिला और कविता को अपना मोबाइल देकर कुछ देर में कमरे से लौटने को कहा। करीब आधे घंटे तक जब वह बाहर नहीं आया, तो खुशबू का फोन आया। उसने शर्मिला से पूछा कि प्रदीप कहां है। उसने कमरे पर जाने की बात कही। खुशबू ने उसे जाकर देखने को कहा। इसके बाद शर्मिला और कविता जब वहां पहुंचीं, तो खुशबू भी आ गई। उसने खिड़की से झांक कर देखा, तो प्रदीप का शव फंदे पर लटका हुआ था। इसके बाद खिड़की से हाथ डालकर उन्होंने अंदर का दरवाजा खोला।

2024 में कॉन्स्टेबल ने लिखा था माफीनामा- प्रदीप से झगड़े के बीच खुशबू ने उसे लिखित में माफीनामा दिया था। इसमें खुशबू ने लिखा- हमारे बीच गलतफहमी की वजह से झगड़ा होता है, इसकी जिम्मेदार मैं हूं। इसमें मेरी गलती है।

प्रदर्शनकारियों ने एमपीपीएससी ऑफिस परिसर में की तोड़फोड़

पेट्रोल लेकर पुतला फूंका, पुलिस ने की कार्रवाई

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमपीपीएससी ऑफिस परिसर में जमकर तोड़फोड़ की गई। यहां पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर पुतला फूंका। मौके पर पहुंची पुलिस ने कुछ लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ तोड़फोड़ और अन्य धाराओं में कार्रवाई की। कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। संयोगितागंज पुलिस ने विक्रम सिंह, तेज, अंकित, यशराज, राज, सौरभ और अन्य पर कार्रवाई की है। उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी लोक सेवा आयोग की परीक्षा से जुड़े मामले में बिना अनुमति के सोमवार को प्रदर्शन करने पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी पेट्रोल लेकर आए थे,

जिसे उन्होंने एक पुतले में डालकर आग लगा दी। इसके बाद, उन्होंने परिसर में रखे गमलों को गिरा दिया और फेंका। इस दौरान पुलिस ने पीछा कर कुछ लोगों को पकड़ा और एक कार भी जब्त की।

ड्यूटी से लौटते समय सिक्योरिटी गार्ड की मौत

दंपति घायल, इंदौर के सेंट्रल पॉइंट के पास दो तेज रफ्तार बाइकों में जोरदार टक्कर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के सेंट्रल पॉइंट के पास सड़क हादसे में एक सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। जबकि एक दंपति घायल हो गया। बताया जा रहा है कि गार्ड अपनी ड्यूटी खत्म कर कंपनी से बाहर निकले थे। उसी समय तेज रफ्तार में आ रही दंपति की बाइक उनकी बाइक से टकरा गई। हादसे में घायल तीनों को एमवाय अस्पताल ले जाया गया। जहां रात में गार्ड ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है, जबकि दंपति का इलाज एमवाय में चल रहा है। शिप्रा पुलिस के अनुसार, यह हादसा अर्जुन बड़ौदा क्षेत्र में हुआ। मृतक गार्ड की पहचान रतन सिंह (62), पुत्र भेरूसिंह सोनगरा निवासी स्कीम

नंबर 78 के रूप में हुई है। हादसे में सौरभ और उनकी पत्नी कनक, निवासी नयापुरा, घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि रतन सिंह की बाइक से दंपति की बाइक टकरा गई थी, जिससे तीनों घायल हो गए। कंपनी से कुछ दूर पर मौजूद एक गार्ड ने एंबुलेंस बुलाकर तीनों को अस्पताल भिजवाया। हालांकि, अस्पताल में रतन सिंह की मौत हो गई।

ड्यूटी से लौटते समय हुआ हादसा- परिवार के अनुसार, रतन सिंह ड्यूटी खत्म कर शाम को अपने घर लौट रहे थे। फैक्ट्री से निकलने के बाद वह मुश्किल से 100 मीटर ही पहुंचे थे कि यह हादसा हो गया। रतन सिंह के परिवार में उनका बेटा लाल सिंह है, जो इंदौर की एक निजी कंपनी में काम करता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

देवी अहिल्या पुरस्कार चंपत राय को मिलेगा

चंपत राय घोटालों में उलझे उनकी जगह मोहन भागवत को दे दीजिए : कांग्रेस

इंदौर (नप्र)। श्री अहिल्योत्सव समिति इंदौर ने इस वर्ष का देवी अहिल्या पुरस्कार श्री रामजन्म भूमि मुक्ति आंदोलन के ज्ञात-अज्ञात कारसेवकों और मंदिर निर्माण के सहभागियों को समर्पित करने का निर्णय लिया है। समारोह का आयोजन 13 जनवरी को लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में सायं 5.30 बजे होगा। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय को यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। चंपत राय को यह पुरस्कार दिए जाने का कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने विरोध जताया है। केके मिश्रा ने एक्स पर लिखा- इस वर्ष का यह गरिमामयी पुरस्कार अयोध्या राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के आर्थिक मामलों में विवादास्पद, निर्माण में भ्रष्टाचार की गंध और भूमि खरीदी में घोटालों के कथित आरोपों में उलझे महामंत्री चंपत राय को दिया जाएगा। क्या

पुण्यश्लोका कभी भी किसी भ्रष्टाचारियों भी 'संरक्षिका' रहीं? क्या उन्होंने विवादास्पद चरित्रों का कभी भी पोषण किया? क्या उनके 'न्याय दंड और शंकर ऑर्डर' से कोई भी गलत व्यक्ति लाभान्वित हुआ। यदि नहीं तो आप पुण्य श्लोका के नाम पर पुरस्कृत होने वाले इस नाम पर कृपा कर पुनर्विचार कीजिए। आप संघ प्रमुख मोहन भागवत को यह सम्मान दे दीजिए, कोई असहमति नहीं होगी। कम से कम उनके सामाजिक और सार्वजनिक जीवन पर तो कोई दाग नहीं है। यदि चंपत राय को इस सम्मान से नवाज दिया गया तो अगले पुरस्कार का दावा 'चम्पू अजमेरा' भी कर सकता है? इस वर्ष का देवी अहिल्या बाई पुरस्कार रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय को दिया जाएगा। केके मिश्रा ने कहा-स्पष्ट कर देना चाहूंगा कि सदैव मूल्यों, सिद्धांतों की राजनीति कर गरिमामयी लोकसभा अध्यक्ष के रूप में हमें, हमारे प्रदेश को गौरवान्वित करने वाली 'ताई' (सुमित्रा महाजन) को मैं 'आई' (मां) के रूप में ही देखता हूं। विपरीत विचारधारा की राष्ट्रीय धरोहर होने के बाद भी वे मेरी 'आदर्श नेता' हैं। उन्होंने भ्रष्ट और धंधेबाज राजनीति के दौर में भी अपनी ही पार्टी के भीतर और बाहर सदैव बेखौफ होकर सत्य का साथ दिया है। लिहाजा, वे मेरी 'आई और आदर्श नेता' के रूप सदैव स्थापित थी, हैं और रहेगी। मैं आज अपने भी सिद्धांतों को लेकर अपनी ही 'आई' के निर्णय पर 'असहमति के स्वर' दर्ज कर रहा हूं। इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1996 में की गई थी। पहला पुरस्कार 1996 में नानाजी देशमुख को तत्कालीन प्रधान मंत्री अटलबिहारी वाजपेयी द्वारा प्रदान किया गया था।

हम व्यक्ति को नहीं, उनके काम को सम्मान दे रहे-सुमित्रा महाजन

इधर, केके मिश्रा के बयान पर सुमित्रा महाजन ने कहा कि मिश्रा को पता नहीं है चंपतराय का क्या योगदान है, हम व्यक्ति को नहीं, उनके काम को सम्मान दे रहे हैं। अहिल्या बाई पूरे शासन काल में मंदिरों का निर्माण और जीर्णोद्धार करती रहीं। राम मंदिर के लिए दशकों से संघर्ष करने वालों के प्रतिनिधि के रूप में चंपत राय का सम्मान के लिए चयन किया। दिवंगत, ज्ञात-अज्ञात समस्त कार सेवकों की तरफ से वे ही ग्रहण करेंगे। चंपत राय वर्षों से मंदिर मामले से जुड़े हैं, खुद को चौकीदार मानते हैं। मंदिर निर्माण तो विश्व के सभी राम भक्तों की श्रद्धा से हो गया।

संपादकीय

खुशहाली की राह में नया ब्रेक

देश अभी कोरोना वायरस के झटकों से पूरी तरह उबर भी नहीं पाया था कि अब एक और नए तथा खतरनाक एचएमपीवी (ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस) वायरस दे भारत में दस्तक दे दी है। देश के चार राज्यों में अब इस वायरस के दस मामले सामने आ चुके हैं। हाल में मुंबई में एक 6 माह की बच्ची एचएमपीवी से पीड़ित पाई गई। उसमें ऑक्सीजन लेवल गंभीर स्तर तक गिरता पाया गया। हालांकि बाद में ठीक हो गई। लेकिन इन घटनाओं के बाद लोगों में चिंता का माहौल है। कहीं ऐसा न हो कि फिर से मास्क और आईसोलेशन का दौर लौट आए। हालांकि भारत के स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का कहना है कि इस वायरस से डरने की जरूरत नहीं है। यह सांस लेने से फैलती है। केंद्र सरकार ने राज्यों को %इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस% और %सीवर एक्यूट रेस्पेरेट्री इश्यूज% जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है। दरअसल लोगों में घबराहट की वजह यह भी है कि इन नए वायरस के बारे में खुद चिकित्सा विज्ञान को ज्यादा जानकारी हैं। कहा यह भी जा रहा है कि एचएमपीवी वायरस कोई नया वायरस नहीं है बल्कि इसे 2001 में ही ?डटेक्ट कर लिया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार यह वायरस किसी भी उम्र के लोगों पर असर कर सकता है। इसके पूरी दुनिया में फैलने के खतरे हैं, ऐसे में डब्लूएचओ भी हालात पर नजर रखे हुए हैं। उसकी रिपोर्ट भी जल्द ही अपेक्षित है। अब तक जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक कोरोना की तरह इस वायरस की शुरूआत चीन से ही हुई है। वहां बड़ी संख्या में लोग इस रोग से ग्रस्त पाए गए हैं। यद्यपि चीन सरकार ऐसी खबरों को हमेशा छिपाती रही है। कोरोना के समय भी उसने ऐसा ही किया था, जिसका भयावह दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतना पड़ा था। अगर चीन समय रहते कोरोना वायरस की जानकारी विश्व के दूसरे देशो को दे देता तो शायद उससे उतनी मौतें नहीं होतीं, जितनी कि हुई और इलाज भी जल्द खोज लिया जाता। चीन अभी भी एचएमपीवी वायरस की जानकारी बाकी देशो के साथ साझा नहीं कर रहा है। उधर भारत सरकार भी चीन पर नजर रखे हुए है। भारत सरकार का यह भी कहना है कि देश में आईसीएमआर और आईएसडीपीक्ष के जरिए इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और इन्फ्लूएंजा के लिए गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआईआर) के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम मौजूद है। दोनों एजेंसियों के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में दोनो मामलों में कोई असामान्य बढ़त नहीं देखी गई है। फिर भी एहतियात के तौर पर आईसीएमआर एचएमपीवी टेस्टिंग करने वाली लैब की संख्या बढ़ाएगा। एम्स के पूर्व डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया का कहना है कि एचएमपीवी वायरस आमतौर पर अपने आप ही ठीक हो जाता है। इसका इलाज एंटीबायोटिक्स से नहीं किया जा सकता। बेहतर है कि लोग ज्यादा पानी पीएं और पौष्टिक भोजन करें। भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। वैसे यह जानकारी भी सामने आई है कि एचएमपीवी वायरस साल 2023 में नीदरलैंड, ब्रिटेन, फिनलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका में भी फैला था। लेकिन इसका अभी तक कोई ऐसा वैरिएंट देखने को नहीं मिला है, जो कोरोना की तरह विस्फोटक अंदाज में फैलता हो। आम लोगों की चिंता यह है कि इस वायरस की अभी कोई न तो दवा है और न ही कोई वैक्सीन है। ऐसे में एहतियात की कारगर उपाय हो सकता है। बेशक इस वायरस की मौजूदगी से दहशत फैलाना ठीक नहीं है, लेकिन खुशहाली की राह में यह बड़ा ब्रेक तो लगा ही सकता है।

नजरिया

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नये भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों की शक्ति लगे

प्रवासी भारतीय दिवस भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए हर साल 9 जनवरी को मनाया जाता है। 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी, सबसे बड़े प्रवासी के रूप में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौट थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया। यह दिवस भारत सरकार का एक प्रमुख, दूरगामी एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम है, जो विदेशों में बसे भारतीयों को भारत के साथ जोड़ने और आपस में संवाद करने का एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष का 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी 2025 के बीच ओडिशा राज्य सरकार के सहयोग से भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के इस दिवस की थीम है 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान'। यह थीम भारत को आत्मनिर्भर और विश्वस्तरीय विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों के योगदान को रेखांकित करती है। क्योंकि प्रवासी भारतीय आज वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण और विशिष्ट शक्ति बन गया है, जो हर क्षेत्र में एक ऊर्जावान और आत्मविश्वासी समुदाय के रूप में विकसित होकर भारत का गौरव बढ़ा रहा है और विभिन्न देशों में उच्च पदों पर स्थापित होकर विश्व मामलों में शानदार योगदान दे रहा है। प्रवासी भारतीयों ने असाधारण समर्पण, प्रतिभा कौशल, लगन और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन करते हुए कला, साहित्य, संस्कृति, राजनीति, खेल, व्यवसाय, शिक्षा, फिल्म परोपकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनने के लिए कई चुनौतियों को पार किया है।

दुनिया में सर्वाधिक प्रवासी भारतीय हैं। वर्तमान में खाड़ी देशों में लगभग 8.5 मिलियन भारतीय रहते हैं जो दुनिया में प्रवासियों की सबसे बड़ी आबादी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय हैं। यहाँ मैक्सिको के बाद भारतीयों की दूसरी सबसे अधिक आबादी है। इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है। विदेशों में रहते हुए भी प्रवासी भारतीय अपने देश, अपनी माटी, अपनी संस्कृति एवं अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। आज की तारीख में भारतीय नई शक्ति के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपना लोहा मनवा चुके हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक पैसा भारतीयों ने अपने देश भेजा है। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चला है कि 2024 में भारत को प्रवासी भारतीयों से 129 बिलियन डॉलर का धन मिला है। यह अब तक का सबसे ज्यादा है। भारत की विकास गाथा लिखने के साथ परोपकारी कार्य करने के लिए प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रवासी भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के कारण ही साझा पहचान मिली है। उनकी सफलता का

श्रेय उनकी परम्परागत सोच, सांस्कृतिक मूल्य, शैक्षणिक योग्यता एवं प्रतिभा को दिया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर सूचना तकनीक के क्षेत्र में क्रांति में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रवासी भारतीयों की ताकत को देखते हुए और उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए 2002 में एनडीए की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने हर वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का निर्णय किया था।

नौकरी, उद्योग, व्यापार और दूसरे कई कारणों से अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में रहने वालों में भारतीयों की आबादी दुनिया में सर्वाधिक है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और कई अन्य देशों में भारतीय वहां की सरकारों में मंत्री और सांसद तो निर्वाचित हुए ही हैं बल्कि नीति निर्धारक विभागों में उच्च पदों पर आसीन हैं। भारतीयों की खासियत है कि वे जिस भी देश में गए उन्होंने वहां की संस्कृति और संविधान को आत्मसात कर लिया। वहां के व्यापार, उद्योग, चिकित्सा क्षेत्र आदि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भले ही प्रवासी भारतीयों ने वहां का सब कुछ आत्मसात कर लिया है लेकिन वह भारत माता की माटी की सुगन्ध को नहीं भूले। उनकी रगों में भारत की संस्कृति एवं संस्कार रचे-बसे हैं। प्रवासी भारतीयों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता एक वास्तविकता बन सकती है। भारत ने नवंबर 2017 में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायमूर्ति दलवीर भंडारी की पुनर्नियुक्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र में दो-तिहाई मत हासिल कर अपने राजनयिक प्रभाव का प्रदर्शन किया। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं।

दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं और हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशों की नई संस्कृति में ढलकर इस तरह की सफलता हासिल करना आसान नहीं होता है। ऐसे विभिन्न क्षेत्रों के चमकते सितारे अपनी चमक का लाभ मातृभूमि भारत के लिए भी विस्तारित कर रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में भारत को विकास की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए भारत हितैषी संगठन काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता और विगत 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने में प्रवासी भारतीयों के संगठन 'इंडियास्पोरा' का अभूतपूर्व योगदान रहा है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, इस वर्ष प्रवासी भारतीय दिवस पर भुवनेश्वर में आयोजित सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के प्रवासी भारतीय भाग ले रहे हैं। निश्चित ही प्रवासी भारतीयों की सामूहिक शक्ति और क्षमता राष्ट्र के समावेशी विकास को और बल प्रदान करेगी। सशक्त भारत-नया भारती एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को प्राप्त करने हेतु हमारी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वे अपनी ऊर्जा, अनुभव, विचारों, व्यापार कौशल, निवेश, तकनीकी विशेषज्ञता और नॉलेज शेयरिंग में योगदान देंगे। मातृभूमि की माटी की पुकार ऐसी होती है जो समय और दूरी की बाधाओं को नहीं देखती है। प्रवासी भारतीयों ने दुनिया के विभिन्न कोनों में अपने निवास के देशों में समृद्ध और उत्पादनशील जीवन का निर्माण किया है। इस सम्मेलन में असाधारण योग्यता के व्यक्तियों के भारत के विकास में उनकी भूमिका की सराहना करने के लिए प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित करने की प्रोत्साहन योजना भी है। 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के साथ, यह सम्मेलन भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी मंच है। भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरणा का एक सशक्त माध्यम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्राओं में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए भरोसा दिलाना चाहा है कि भारत आर्थिक सुधारों की राह पर चल रहा है और भारत में निवेश करना तथा व्यापार करना पहले से कहीं आसान हो गया है, इसलिए भारत में पूंजी लगाने में वे तनिक न हिचकें।' भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, इन सुखद स्थितियों में विदेशों में प्रवासी भारतीयों की स्थिति का मजबूत बनाना अच्छी बात है, लेकिन देश में बदलते हालातों एवं नये बनते भारत में प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होना अपेक्षित है।

सेहत

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कोरोना के बाद अब एचएमपीवी नई चुनौती

कोविड-19 के पांच साल बाद अब एक और नया वायरस तेजी से फैल रहा है, जिसके लक्षण भी कोरोना वायरस जैसे ही हैं। कहा जा रहा है कि चीन में एक और महामारी ने दस्तक दे दी है, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का कारण बन सकती है। कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल में कुछ बच्चों में नए वायरस के मामले मिलने के बाद भारत में निगरानी बढ़ा दी गई है। इस वायरस के बारे में कहा जा रहा है कि यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। हालांकि हालांकि चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि यह वायरस संक्रामक तो है किन्तु कोविड-19 की भांति घातक नहीं, इसलिए इसे लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। डच शोधकर्ताओं ने 2001 में सबसे पहले श्वसन संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में इस वायरस की खोज की थी और हर साल कई देशों में इसके मामले सामने आते रहे हैं लेकिन इन दिनों चीन में जिस तरह इस वायरस ने आतंक मचाया हुआ है, ऐसे में चीन में इसके बेतहाशा बढ़ते मामलों को देखते हुए पूरी दुनिया की चिंता बढ़ना और बचाव के लिए चौकन्ना होना बेहद जरूरी हो गया है। चीन में रहस्यमय रूप से उभर रहे नए वायरस के मामलों को लेकर चौकन्ना रहना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि जब कोविड-19 की शुरुआत हुई थी, तब उसे भी हल्के में लिया गया था, दुनिया के किसी भी विशेषज्ञ को इसका आभास तक नहीं था कि कोविड-19 इतना विकराल रूप ले लेगा कि देखते ही देखते लाखों लोगों की मृत्यु हो जाएगी। कोरोना की शुरूआत भी चीन में हुई थी और इसने पूरी दुनिया में जो दहशत मचाई थी, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

कोविड-19 का खौफ अभी तक बरकरार है और चीन से जो नया वायरस महामारी के रूप में उभर रहा है, वह बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में यह संक्रमण निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है और उनमें मौत का जोखिम बढ़ जाता है। हाल के दिनों में कई रिपोर्टों में बताया जा चुका है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नामक इस वायरस ने चीन में दहशत फैला रखी है, जिसके कारण वहां के अस्पताल में मरीजों की संख्या बेतहाशा

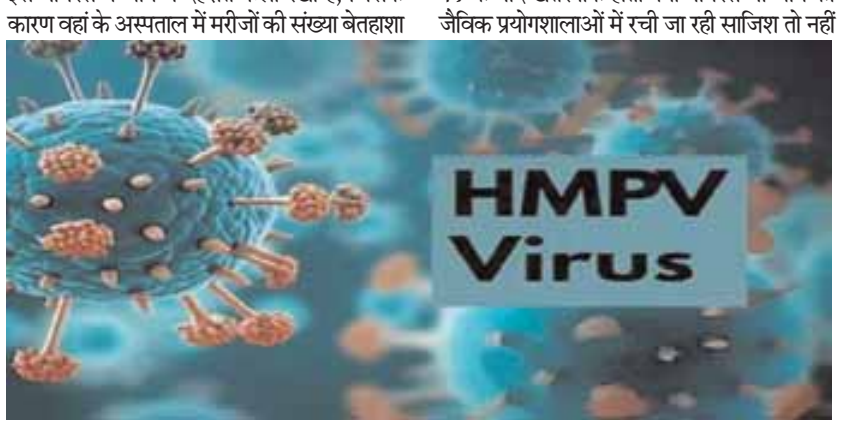

बढ़ गई है तथा बड़ी संख्या में मरीज मर भी रहे हैं लेकिन कोविड-19 की ही भांति चीन द्वारा इसे लेकर भी लीपापोती की जा रही है। वैसे भी चीन को लेकर पूरी दुनिया को चौकन्ना रहने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि चीन की विश्वसनीयता पहले से ही सवालों के घेरे में है, जिसने कोरोना से जुड़े डेटा को ही अब तक सार्वजनिक नहीं किया है। इसलिए एचएमपीवी को लेकर भी चीन दुनिया को सही जानकारी उपलब्ध करा रहा है, इसे लेकर संदेह होना स्वाभाविक ही है। दरअसल विदेशी मीडिया पर लगे प्रतिबंधों के कारण चीन से कोई भी खबर दुनिया तक आसानी से नहीं पहुंच पाती, केवल चीन की सरकारी समाचार एजेंसी ही खबरों का एकमात्र जरिया है, जो दुनिया को वही खबर बताती है, जो वहां की सरकार चाहती है।

पूरी दुनिया के लिए महासंहारक साबित हुए कोविड-19 वायरस की उत्पत्ति को लेकर भले ही चीन आरोपों को खारिज करता रहा लेकिन बार-बार पुष्टि होती रही कि वह वायरस चीन के वुहान शहर से ही दुनिया में फैला था लेकिन वुहान में यह कैसे फैला था, उस रहस्य से पर्दा नहीं उठ सका है और अब एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल बर्ड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी प्राणाघातक और महासंहारक वायरल रोगों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है लेकिन इसका रहस्य दुनिया आज तक पता नहीं लगा पाई है। चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा हो रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर पूरी दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहीं कोविड-19 के बाद खतरनाक होता नया वायरस भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है। कोविड संकट के दौरान विश्व के तमाम देशों की औद्योगिक गतिविधियों सहित जनजीवन भी पूरी तरह ठप्प हो गया था। उस दौरान चीन को छोड़कर तमाम देशों की अर्थव्यवस्था लगभग खत्म होने के कगार पर आ गई थी। कई देश तो इसका खामियाजा आज तक भुगत रहे हैं।

उत्तर चीन के प्रांतों में 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एचएमपीवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इस खतरनाक वायरस के हमले से चीन में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। खचाखच भरे अस्पताल और श्मशान में बढ़ती बेतहाशा भीड़ इस संकट के कोरोना जैसा या उससे भी बदतर होने की पुष्टि कर रहे हैं। एचएमपीवी वायरस के संक्रमण की तेज गति को देखते हुए इसके अन्य देशों में फैलने के खतरों से इन्कार नहीं किया जा सकता। भारत में इसके कुछ मामले सामने आ चुके हैं, जिसे देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डा. अतुल गोयल का कहना है कि खबरों में कहा जा रहा है कि चीन में मेटान्यूमोवायरस वायरस का एक आउटब्रेक है, जो गंभीर है। हालांकि उनका कहना है कि हमें ऐसा नहीं लगता कि भारत में अभी किसी गंभीर स्थिति की संभावना है। वहीं, दिल्ली मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरूण गुप्ता का कहना है कि भारत में इस वायरस के कारण बीमारी बढ़ने की अभी संभावना नजर नहीं आ रही है। कुल मिलाकर, एचएमपीवी संक्रमण से बचाव के लिए समय रहते पुख्ता प्रबंध किए जाने इसलिए भी अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि अब तक इसका कोई टीका अथवा एंटीवायरल दवा विकसित नहीं हुई है और संक्रमित व्यक्ति को आराम तथा सामान्य बुखार की दवाओं से ही ठीक किया जा रहा है। जिन लोगों को पहले से श्वांस संबंधी समस्याएं हैं, उन्हें विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, एचएमपीवी सभी उम्र के लोगों में अपर और लोअर रेस्पिरेटरी डिजीज का कारण बन सकता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के खांसने और छींकने से निकलने वाले स्राव या नजदीकी संपर्क जैसे हाथ मिलाने से भी फैलता है। एचएमपीवी वायरस न्यूमोवायराइड और मेटान्यूमोवायरस जीनस का हिस्सा है, जो एक सिंगल-स्ट्रैंडेड नेगेटिव-सेंस आरएनए वायरस है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, इस वायरस का संक्रमण काल तीन से पांच दिन होता है। इस वायरस के संक्रमण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिससे यह बार-बार संक्रमण का कारण बन सकता है। एचएमपीवी भी कोरोना की ही भांति श्वसन पथ को संक्रमित करता है, हालांकि कोरोना के मुकाबले इस वायरस के कारण ऊपरी और निचले दोनों श्वसन पथ में संक्रमण का खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह एक कम पहचाना गया वायरस है लेकिन यह दुनियाभर में मौसमी श्वसन बीमारियों में योगदान कर रहा है। एचएमपीवी में कोरोना ही भांति फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। इससे जुड़े सामान्य लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि शिशुओं और बुजुर्गों, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, उनमें मेटान्यूमोवायरस के कारण गंभीर बीमारी होने का खतरा अधिक होता है। इससे बचाव के उपायों में हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना, खांसते और छींकते समय मुंह और नाक ढ़ंकना, संक्रमितों लोगों से दूरी बनाना, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद लेना, फ्लू के टीके लगवाना इत्यादि शामिल हैं।

कटाक्ष

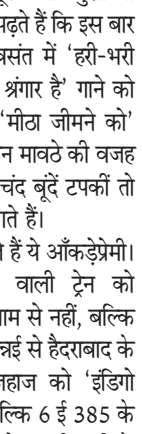

शशांक दुबे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ठंड से नहीं, आँकड़ों से ठिठुरता है आदमी

खबसे अखबार में यह खबर छपी है कि देश के एक लोकप्रिय हिल स्टेशन ने सीज़न में पहली बार 4 डिग्री का तापमान दर्ज कर दिया है, तबसे वे लोग बड़े खुश हैं जो मौसम पर बात करने के लिए किसी आँकड़े की तलाश में थे। बड़े अजीब होते हैं ये आँकड़ेप्रेमी। इनके लिए ठंड का मतलब मुंह से निकलता धुआँ, गले में झूलती मफ़लर, गज़क की रेहड़ी, स्वेटर बुनती स्त्री और अंगीठी पर उबलती चाय नहीं होती, इनके लिए ठंड का मतलब 4 डिग्री सेल्सियस का तापमान होता है। इनके लिए गर्मी का मतलब 'ठंडे ठंडे हरे भरे नीम तले' गीत, कैरी का पना, काँख में दबा प्याज़, छत पर गुज़रती चाँदनी रात नहीं, 50 डिग्री सेल्सियस टेम्परेचर होता है। इनके लिए बारिश के मायने न तो 'आहा रिमझिम के ये प्यारे प्यारे गीत लिए' है, न न भुट्टा-ककड़ी, न 'इत्ता-इत्ता पानी, गोलगोल धानी' है। बादल के गरजने, बिजली के कड़कने और खिड़कियों के खड़कने से बिल्कुल निरपेक्ष रहनेवाले इन आँकड़ेप्रेमियों का मन मयूर तभी खुशी से नाचता है जब वे यह ख़बर पढ़ते हैं कि इस बार 42 इंच बरसात हो गई। वसंत में 'हरी-भरी वसुंधरा पे ये किसने किया श्रृंगार है' गाने को या 'पीला पहनने को' या 'मीठा जीमने को' इनका मन नहीं करता, लेकिन मावठे की वजह से कहीं पारा गिरा या कहीं चंद बूंदें टपकीं तो ये इंच-डिग्री में बतियाने लगते हैं।

सचमुच बड़े मासूम होते हैं ये आँकड़ेप्रेमी। ये मुंबई से इंदौर जाने वाली ट्रेन को 'अवन्तिका एक्सप्रेस' के नाम से नहीं, बल्कि 12961 के नाम से और चेन्नई से हैदराबाद के लिए उड़ान भरने वाले जहाज को 'इंडिगो फ्लाइट' के नाम से नहीं, बल्कि 6 ई 385 के नाम से जानते हैं। ये मित्र को उसकी गाड़ी के नंबर से और पड़ोसी को उसके फ्लैट नंबर से पहचानते हैं। इन्हें यह याद नहीं है कि जब कुंबले अपना जबड़ा तुड़वा बैठे थे, तब छोटी सर्जरी कराकर वापस मैदान में उतरते हुए उन्होंने महान बल्लेबाज़ लारा को आउट कर अपनी जीवटता का परिचय दिया था। ये तो इतना जानते हैं कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई टीम में पूरी सीरीज़ में बुमराह ने 32 विकेट लिए, जबकि कप्तान रोहित शर्मा ने कुल 31 रन बनाए थे।

जब ये 'भूल भुलैया 3' की बात करते हैं तो 'अमी जे तोमार' गाने या उस पर दो सुंदर नायिकाओं के अप्रतिम नृत्य की बात नहीं करते, बल्कि यह बताते हैं कि पहले हफ्ते में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इनके लिए गांधीजी मतलब 2 अक्तूबर और मोरारजीभाई का मतलब लीप यर है। माल्या को ये 7500 करोड़ रुपये के डिफ़ाल्टर के रूप में और अंबानी को 119.5 बिलियन अमरीकी डॉलर की संपत्ति के मालिक के रूप में जानते हैं। इनकी इच्छा एक घर बसाकर उसमें परिवार के संग चाय पीने, साथ-साथ टीवी देखने और धारावाहिकों को कोसने की नहीं, बल्कि 60 बाय 40 का प्लॉट कटवाकर उसमें 16 बाय 12 के 3 कमरे खिंचवा कर, 2 करोड़ की असेट क्रिएट करने की होती है।

जब ये शादी में जाते हैं तो शामियाने की चमक, दूल्हे के पिता की धमक, दुल्हन के पिता की झिझक, छप्पन तरह के पकवानों की खुशबू और और लैम्प ढोती माँओं की विवशता पर इनकी नज़र नहीं जाती। ये तो दो टूक शब्दों में बता देते हैं कि 'लगता है पार्टी तगड़ी है, 750 लोगों का खाना होगा और पर प्लेट कम से कम 1500 रुपये का पड़ा होगा'। ऐसे आँकड़ेप्रेमी दुनिया में कोई बिरले नहीं होते। इनके भी भाई-बंद होते हैं। जब ये दुनिया से कूच करते हैं, तो इनके झंडाबरदार कहते हैं, 'बड़ा आदमी था पट्ठा। शवयात्रा में साढ़े चार सौ आदमी शामिल हुए थे और शोक सभा तो पैंतालीस मिनट तक खिंच गई थी।'

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

राजेंद्र बज

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक अटपटी तमन्ना यह भी...

जीते जी आदमी की इतनी कद्र नहीं होती जितनी कि मरने के बाद हुआ करती है। आदमी कैसा भी हो, मरने के बाद सबके लिए अच्छा हो जाता है। जमाने के इस दस्तूर के चलते यह विचार आया कि जरा देखा जाए कि औरों की नजरों में अपनी क्या अहमियत है? लेकिन इसके लिए जमाने की नजरों में मरना जरूरी था। वैसे यह आसान काम नहीं था। बहुत माथापच्ची करने के उपरांत भी कोई सूरत नजर नहीं आ रही थी कि अच्छा-खासा जीवन जीने के उपरांत भी लोगों की नजरों में मर जाऊं, तो कैसे ? आखिर बिना मेरे मरने की खबर के कोई श्रद्धांजलि भला क्यों कर देगा! यह तो श्रद्धांजलि के दौरान ही जमाने को पता लगता है कि मरने वाला कितना अच्छा आदमी था!

वैसे इस संसार में कोई भूल चूक में भी किसी को श्रद्धांजलि दे बैठे, श्रद्धांजलियों का सैलाब उमड़ने लगता है। आज के जमाने में आदमी का जितना जीना मुश्किल है, उतना ही मरना भी मुश्किल है। लाख सोचने पर भी ऐसा कोई उपाय सूझ नहीं रहा है कि लोगों की नजरों में मर जाऊं तो कैसे? सचमुच वह बड़े किस्मत वाले होते हैं जो जीते जी मरे हुए मान लिए जाते हैं। बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जिंदा आदमी की मौत की खबर फैलने से आदमी की उम्र बढ़ जाया करती है। यह धारणा मुझे और भी उकसा रही थी कि मेरे मरने की खबर फैल जाए, तो अपनी उम्र लंबी की जा सके। वैसे मुझे किसी एक के गले ही यह बात उतारनी थी कि मैं नहीं रहा। बस, फिर तो धड़ाधड़ श्रद्धांजलियों का सैलाब आने लगता।

कुछ लोग श्रद्धांजलि को दो शब्दों में व्यक्त कर देते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो श्रद्धांजलि के साथ दिवंगत से अपनी नजदीकी दर्शाने के निमित्त कोई न कोई संस्मरण भी चस्पा कर दिया करते हैं। इस मामले में कभी-कभी तो कोई श्रद्धांजलि दाता अपनी कल्पना शक्ति की पराकाष्ठा तक कर बैठता है। क्योंकि खंडन तो होने से रहा! इसके चलते श्रद्धांजलि देने वाले का कद, मरने वाले के कद के बराबर हो जाता है। आमतौर पर जो आदमी जितना बड़ा होता है उसे उतनी ही बड़ी मात्रा में श्रद्धांजलि मिला करती है। चाहे उसके जीवन काल में उसका कितना भी विरोध क्यों नहीं किया गया हो! वैसे तो जीते जी आदमी अपनी इज्जत का मूल्यांकन कर ही नहीं सकता, ऊंची बोली तो मरने के बाद ही लगती है।

दरअसल कुछ लोग तो इस बात का बेसब्री से इंतजार करते रहा करते हैं कि कोई टपके तो हम ठप्पा लगाए। आदमी चाहे कितना भी कड़कभट्ट क्यों न हो, कभी न कभी मरने वाले के प्रति श्रद्धांजलि तो देता ही देता है। और अब तो सोशल मीडिया के माध्यम से बहुत ही दूर दराज के रिश्तों को भी शिद्दत के साथ निभाने का चलन है। जरूरी नहीं कि मरने वाले हमें जानते हो, या कि हम उनसे जिंदगी में कभी मिले हो। कभी-कभी तो इस मामले में छोटे मुंह बड़ी से बड़ी बात हो जाती है। खैर, इस समय यह सोच-सोच कर पुलकित हो रहा हूं कि यदि मेरे दुनिया से कूच कर जाने की खबर वायरल हो जाए तो कौन-कौन मेरे बारे में क्या-क्या कह सकते है ?

मुझे पक्के तौर पर पता है कि मेरे दुनिया से जाने की खबर मिलते ही मेंरी कमजोरी को शराफत का बाना पहनाया जाएगा, मेरे बुद्धूपन को सादगी और सरलता की प्रतिमूर्ति के रूप में सुशोभित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मेरे व्यक्तित्व एवं कृतित्व में जो कुछ खामियां रही होगी, उसके विपरीत वह हर बात कही जाएगी जो मेरा मान बढ़ाती होगी। सोचता हूं, जीते जी तो जमाने में साख नहीं बना पाया, इसलिए लोगों की नजरों में मर जाऊं तो मेरी आत्मा को शांति मिल सके। आखिर तारीफ किसे अच्छी नहीं लगती? जहां कहीं दिवंगत को लेकर ऊंची से ऊंची शब्दावली में उन्हें जरूरत से ज्यादा बहुमान दिया जाने लगता है, तो उनकी आत्मा को असीम शांति का अनुभव होता होगा। ऐसी दिव्य शांति की मुझे भी तलाश है।

विज्ञान

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

'टेलोमियर' को साधिये जनाब !

क्या आप टेलोमियर को जानते हैं? शायद नहीं। यह अचरज की बात नहीं है, अलबत्ता आपको उसे जानना चाहिये। टेलोमियर को जानना मानव-जीवन के एक कीमती रहस्य को जानना है। मनुष्य के जीवन का एक बड़ा भेद टेलोमियर से जुड़ा हुआ है। टेलोमियर का अस्तित्व उतना ही पुराना है, जितना इस धरती पर मनुष्य का उद्भव। टेलोमियर मनुष्य के गुणसूत्र का अविभाज्य अंग है। गुणसूत्र है, तो टेलोमियर है। बिना उसके आप गुणसूत्र अर्थात क्रोमोसोम्स की कल्पना नहीं कर सकते।

करीब एक दशक पहले की बात है। सन् 2015 में तीन वैज्ञानिकों सुश्री एलिजाबेथ ब्लैकबर्न, कैरोल ग्रेइडर और जैक डब्लू जोस्ताक को टेलोमियर प्रभाव और टेलोमिरेस की खोज के लिये नोबुल पुरस्कार से नवाजा गया। टेलोमियर जहां गुणसूत्र का ऊपरी हिस्सा है, वहीं टेलोमिरेस तत्संबंधित एन्जाइम। कैरोल, जैक और सुश्री कैरोल की यह खोज बड़ी मानीखेज थी और इसने मनुष्य की जरा या वृद्धावस्था के रहस्य को बखूबी उद्घाटित कर दिया। वैज्ञानिक त्रयी ने पाया कि मनुष्य के बुढ़ापे का राज गुणसूत्रों के ऊपरी सिरे पर स्थित छोटी सी संरचना में छिपा है। इसकी अवस्थिति के कारण हम इसे कैप या टोपी की संज्ञा दे सकते हैं। चाहें तो हम इसे कह सकते हैं : 'गुण-किरीट।'

क्रोमोसोम के ऊपरी छोर पर स्थित टेलोमियर नामक टोपीनुमा संरचना की खोज क्या हुई, वृद्धावस्था और कैंसर से जुड़े अनुसंधान में नये सिरे से तेजी आ गयी। इसकी परिधि में बुढ़ापे की रोकथाम और कैंसर के उपचार के उपाय भी शरीक थे। वस्तुतः मामला कोशाओं के विखंडन से जुड़ा हुआ है। क्रोमोसोमों के लिये टेलोमियरों की सलामती मायने रखती है। यदि टेलोमियर सलामत है, तो गुणसूत्र बचे रहते हैं। उम्र के साथ टेलोमियर आपदाग्रस्त होते हैं। वे सिकुड़ते हैं यानि आकार में छोटे होते हैं, तो समझ लीजिये कि शरीर में बुढ़ापा व्याप रहा है। उनका क़द बचा रहे या धीमी गति से घटे तो समझ लीजिये कि बुढ़ापे के आपके पास फटकने में देर हैं अथवा वह दबे पांव आहिस्ता-आहिस्ता आयेगा। इस संदर्भ में सुश्री ब्लैकबर्न का कथन प्रायः उदधृत किया जाता है। उन्होंने कहा था – "It is about keeping healthier for longer" वैज्ञानिकों की त्रयी ने लंबे समय से अनुत्तरित इस यक्ष-प्रश्न का उत्तर खोज लिया था कि क्या लंबे टेलोमियर वाले लोग लंबे समय तक जीवित और स्वस्थ रहते हैं? यद्यपि यह सच है कि सिर्फ टेलोमेयर ही दीर्घायु को निर्धारित नहीं करते, किन्तु जरा और आयुष्य में उनकी प्रभावी भूमिका से अनेक लंबित जिज्ञासाओं का समाधान मिल गया। जब टेलोमियरो की लंबाई यानि कद के आधार पर लोगों को दो समूहों में वर्गीकृत किया गया तो यह पाया गया कि लंबे टेलोमियरधारी छोटे टेलोमियरधारियों की तुलना में औसतन पांच साल ज्यादा जीते हैं। एक बड़ा प्रश्न यह भी था कि क्या टेलोमियरों में बुढ़ापे और कैंसर की कुंजी छिपी हुई है? एक और अहम सवाल था कि क्या इन गुण-किरीटों के जरिये बुढ़ापे को व्यापने से रोक जा सकता है अथवा कैंसर की रोकथाम व उपचार संभव है?

हम जानते हैं कि कोशिका के नाभिक के भीतर जीन्स डीएनए के सर्पिल दोहरे रज्जुक अणुओं के साथ व्यवस्थित रहते हैं। इन्हीं गुणसूत्रों के ऊर्ध्व सिरों पर डीऑक्सीराबो न्यूक्लियक अम्ल (डीएनए) से निर्मित टेलोमियर रूपी खंड होते हैं, जो हमारे आनुवंशिक, डाटा की रक्षा करते हैं और कोशिकाओं के विभाजन को संभव बनाते हैं। वैज्ञानिकों ने अनुसंधान से पाया कि इन्हीं ऊर्ध्व-खंडों या किरीटों में बुढ़ापे और कैंसर के रहस्य छिपे हुये हैं। दिलचस्प तौर पर टेलोमियरों की तुलना जूत के तस्मों (फीतों) के प्लास्टिक या हल्की धातु से मढ़े सिरों से की जा सकती है। यह तुलना इस नाते सटीक है, क्योंकि उनका मढ़ा होना उनके सिरों को उखड़ने या आपस में चिपकने से बचाता है, जो आनुवंशिक जानकारी को नष्ट या अस्त-व्यस्त होने का कारक बन सकता है। इसका अगला महत्वपूर्ण पहलू यह है कि किसी भी कोशिका के विभाजन की स्थिति में टेलोमियर छोटे हो जाते हैं। उनके अधिक छोटा होने पर कोशा विभाजित नहीं हो पाती और निष्क्रिय या मृत हो जाती है। यह छोटा होने की प्रक्रिया उम्र बढ़ने, कैंसर और मृत्यु के उच्च जोखिम से जुड़ी हुई है। इसी के चलते टेलोमियर को 'बम-फ्यूज' भी कहा जाता है। टेलोमियर एक तरह सुरक्षा प्रणाली भी है। यदि ये टोपी-संरचनाएं नहीं होतीं, तो गुणसूत्र आपस में जुड़ अथवा टकरा

सकते थे, जिससे आनुवंशिक खाके के दूषित होने, उसमें खराबी या विकार आने अथवा अपघात या मृत्यु होने का खतरा था। यहां हम टेलोमियर को सिर पर रखी पाग या पगड़ी के तौर पर समझ सकते हैं। यदि वे न हों तो ऐसी दिक्कते स्वाभाविक हैं कि कोशिकायें विभाजित होना बंद कर दें या फिर असमय या समय पूर्व मर जायें। प्रसंगवश, उल्लेखनीय है कि टेलोमेरेज नामक एंजाइम सिर और बेस को जोड़ने के साथ-साथ उसे घिसने से बचाने का भी काम करता है। कोशिकाओं के बारंबार विभाजन पर पर्याप्त एंजाइम नहीं बन पाता। फलतः टेलोमियर छोटे होते जाते हैं और कोशिकाएं बूढ़ी। यह शुक्राणु और अंडों में सक्रिय रहता है और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जाता है। इस तरह जीवन चक्र में इसकी प्रभावी भूमिका है। उल्लेखनीय है कि कोशिका के कैंसरग्रस्त होने पर विभाजन की आवृत्ति बढ़ जाती है। फलतः टेलोमियर छोटे होते जाते हैं, जिसका अर्थ है मृत्यु। यकीनन टेलोमियर को मापना कैंसर का पता लगाने का एक तरीका हो सकता है। यही नहीं, यदि वैज्ञानिक टेलोमियर को 'थामने' का तरीका खोज लें तो वे कैंसर-कोशाओं को बूढ़ा करके अथवा उन्हें मरवाकर कैंसर से लड़ने में सक्षम हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं में ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में इस विधि से ट्यूमर कोशाओं को मारने में कामयाबी पाई, लेकिन इसमें बहुत जोखिम भी है, क्योंकि इसका प्रजनन-क्षमता, घाव-भरने, प्रतिरक्षा-प्रणाली और रक्त-कोशिकाओं के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बहरहाल, यह निर्विवाद है कि टेलोमियर समय के साथ सिकुड़ते हैं। उनका सिकुड़ना बुढ़ापे का बायस है। प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इसे रोका जा सकता है? खोज यही कहती है कि ऐसा मुमकिन नहीं है। हाँ, इसे धीमा किया जा सकता है। समय या उम्र के साथ इनका छोटा होना स्वाभाविक है किंतु कुछ उपाय है, जिन्हें बरतने से इनसे घटने को धीमा या नियंत्रित किया जा सकता है। इन उपायों में शामिल हैं। संतुलित आहार, आनुपातिक वजन, धूम्रपान का परित्याग पर्याप्त नींद, तनाव पर नियंत्रण और नियमित व्यायाम। टेलोमियर-आहार संरक्षण तालिका भी इसमें मदद कर सकती है। इसके अनुसार विटामिन सी, पोलीफीनॉल्स और एंथोसायनिंस युक्त पदार्थों का सेवन करना चाहिये। टेलोमियर की लंबाई का फलियों, नट्स, दुग्ध उत्पादों, फलों, कॉफी, फलों के शुद्ध रसों और समुद्री सिवारों से सीधा और सकारात्मक रिश्ता है। गुण-किरीटों का क्षति से बचाने के लिए जरूरी है कि रक्त मांस, अल्कोहल और संसाधित-मांस के सेवन से बचा जाये। टेलोमियर की सेहत का आहार और जीवनशैली से सीधा रिश्ता है। व्यक्ति को शर्करा के अधिक सेवन से भी बचना चाहिए। छीमियों तथा मिलेट या मोटे अनाज का सेवन टेलोमियर और प्रकारांतर से दीर्घायु के लिए लाभदायी है। अनुसंधान से यह प्रमाणित हुआ कि पश्चिमी आहार पद्धति लाभकारी नहीं है। इसके विपरीत विवेक सम्मत आहार पद्धति को अपनाया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि भूमध्य सागरीय आहार सर्वोत्तम है, जिसमें तरकारियों, फलियों, दालों (अपरिष्कृत) फलों, मछली, जैतून के तेल, थोड़ी सी वाइन आदि को वरीयता दी जाती है। इससे टेलोमियर के घटने के साथ ही मृत्यु का जोखिम भी कम है। यानि आप दीर्घायु रहेंगे और स्वस्थ भी। इन सारी चीजों के साथ-साथ टेलोमियर घट-बढ़ का श्वसन और पर्यावरण से भी रिश्ता है। आप समझ सकते हैं कि मध्य-एशियाई देशों में लोगबाग स्वस्थ और लंबी उम्र कैसे जीते हैं? स्वास्थ्य और दीर्घायु के मान से ओमेगा 3 और फोलिक एसिड जैसे तत्व भी मायने रखते हैं। बहरहाल, दुनियाभर में अनुसंधान जारी है। टेलोमियर को जाने के बाद आपके लिये यह जरूरी है कि आप अपने टेलोमियर का ख्याल रखें। इसके लिए अपनी जीवन शैली और आहारतालिका पर गौर करें। यदि आपने इनके जरिये अपने टेलोमियरो को साध लिया तो यकीन मानिये कि टेलोमियर आपको निराश नहीं करेंगे।

आर्थिकी

बाल मुकुन्द ओझा

लेखक पत्रकार हैं।

घट रही गरीबी पर कम नहीं हो रही महंगाई

एसबीआई रिसर्च के लेटेस्ट पेपर में कहा गया है कि ग्रामीण गरीबी 2023-24 में घटकर 4.86 फीसदी हो जाएगी, जो पिछले साल 7.2 फीसदी थी। 2011-12 में यह 25.7 फीसदी थी। इस बीच शहरी क्षेत्रों में 2024 में साल-दर-साल गिरावट धीमी रही। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में यह 4.09 फीसदी थी, जबकि पिछले साल यह 4.60 फीसदी थी। रिपोर्ट में ग्रामीण गरीबी में तेज कमी का श्रेय निम्न आय वर्ग के बीच खपत वृद्धि को दिया गया है, जिसे मजबूत सरकारी समर्थन से बल मिला है। शहरी गरीबी में भी तेजी से कमी आई है, जो अब 4.09 फीसदी होने का अनुमान है, जो 2011-12 में 13.7 फीसदी थी। रिपोर्ट में कहा कि ग्रामीण गरीबी अनुपात में तेज गिरावट महत्वपूर्ण सरकारी सहायता के साथ कंजम्पशन ग्रोथ का नतीजा है।

भारत की गरीबी पर लगातार सर्वे और अध्ययन हो रहा है। अब एक बार फिर भारत में गरीबी के मोर्चे पर एक अच्छी खबर आई है। देश में गरीबी तेजी से घट रही है और इससे आंकड़ों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। वर्ष 2024 में सरकारी रिपोर्ट में पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोगों के गरीबी के अभिशाप से मुक्त होने का दावा किया गया था वहीं भारतीय स्टेट बैंक की एक ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में पहली बार ऐतिहासिक रूप से गांवों में गरीबी में तेजी से कमी आई है और एक साल के भीतर यह 5 फीसदी से नीचे आ गई है। यह मुख्य रूप से सरकारी सहायता कार्यक्रमों के प्रभावों के कारण संभव हुआ है। यह भी कहा जा रहा है मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पर खास ध्यान दिया है। इसका असर जमीन पर दिख रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 की बात करे तो भारत का स्थान 127 देशों में 105वां है। हालांकि पिछले सालों की तुलना में वर्ष 2024 में भारत की रैंक में सुधार हुआ है। वर्ष 2023 में भारत कुल 125 देशों में से 111वें स्थान पर था। हालांकि, सरकार ने त्रुटिपूर्ण कार्यप्रणाली का हवाला देते हुए इस सूचकांक में भारत के प्रदर्शन का विरोध किया था। यह भी शोध का विषय है, देश में महंगाई कम नहीं हो रही है, पर गरीबी घट रही है। एसबीआई रिसर्च के लेटेस्ट पेपर में कहा गया है कि ग्रामीण गरीबी 2023-24 में घटकर 4.86 फीसदी हो जाएगी, जो पिछले साल 7.2 फीसदी थी। 2011-12 में यह 25.7 फीसदी थी। इस बीच शहरी क्षेत्रों में 2024 में साल-दर-साल गिरावट धीमी रही। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में यह 4.09 फीसदी थी, जबकि पिछले साल यह 4.60 फीसदी थी। रिपोर्ट में ग्रामीण गरीबी में तेज कमी का श्रेय निम्न आय वर्ग के बीच खपत वृद्धि को दिया गया है, जिसे मजबूत सरकारी समर्थन से बल मिला है। शहरी गरीबी में भी तेजी से कमी आई है, जो अब 4.09 फीसदी होने का अनुमान है, जो 2011-12 में 13.7 फीसदी थी। रिपोर्ट में कहा कि ग्रामीण गरीबी अनुपात में तेज गिरावट महत्वपूर्ण सरकारी सहायता के साथ कंजम्पशन ग्रोथ का नतीजा है।

दुनिया भर में गरीबी की स्थिति आज भी बेहद चिंताजनक है। हमारे देश की बात करें तो आजादी के 77 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। भारत की गरीबी आज भी आंकड़ों के भ्रम जाल में उलझी हुई है। कुछ सर्वेक्षणों में मोदी राज में भारत में गरीबी घटने की बात कही गयी थी तो कुछ सर्वेक्षणों में गरीबी बढ़ती बताई जा रही है। कुल मिलाकर देखा जाये तो देश की गरीबी आंकड़ों के मायाजाल में फंसी दिखाई दे रही है। पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरे चढ़े है। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसी उल्लेखनीय पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे वंचित रहने में काफी कमी आई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाना, सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। मातृ स्वास्थ्य का समाधान करने वाले विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कवरेज में सुधार, और स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण की स्थिति में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों के लिए सुरक्षित आवास प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे बुनियादी सेवाओं तक पहुंच में आने वाली मूलभूत समस्याओं का तेजी से समाधान हो रहा है ताकि देश एक विकसित राष्ट्र यानी विकसित भारत ञ2047 बनने की ओर अग्रसर हो सके। सरकारी स्तर पर यदि ईमानदारी से प्रयास किये जाये और जनधन का दुरूपयोग नहीं हो तो भारत शीघ्र गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो सकता है।

आयोजन

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कृत्रिम बुद्धि की निगरानी में महाकुंभ मेला

समय के साथ देश में लगने वाले दुनिया के सबसे बड़े मेले कुंभ में भी परिवर्तन देखने में आते रहे हैं। इसी बदलाव के चलते इस बार प्रयागराज में अस्थाई रूप से निर्मित की गई 'कुंभनगरी' में 13 जनवरी 2025 से शुरू होकर 31 मार्च तक चलने वाले इस महाकुंभ में श्रद्धालुओं की निगरानी कृत्रिम बुद्धि से संचालित उपकरण करेंगे। इस हेतु कुंभनगरी का पूर्णतः डिजिटलीकरण कर दिया गया है। प्रत्येक 12 साल में प्रयाग में गंगा-यमुना और अदृष्य सरस्वती नदियों के संगम पर महाकुंभ आयोजित होता है। 45 दिन चलने वाले इस कुंभ में 45 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। 2013 में 20 करोड़ से ज्यादा यात्री प्रयाग पहुंचे थे। इस बार दोगुने से ज्यादा लोगों के पहुंचने का अनुमान इसलिए है, क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के साथ वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर का भी कायाकल्प हुआ है। साथ ही आवागमन के साधन बढ़े हैं। अतएव 4 तहसील और 67 ग्रामों की 6000 हेक्टेयर भूमि पर मेले में यात्रियों के लिए समुचित प्रबंध योगी आदित्यनाथ सरकार ने किए हैं।

लोगों को आवाजाही में असुविधा न हो? इसलिए मेला प्राधिकरण और गूगल के बीच हुए समझौते के अंतर्गत आवागमन मानचित्र (नेविगेशन मैप) की सुविधा मोबाइल व अन्य संचार उपकरणों पर दी गई है। इस सुविधा से यात्री गंतव्य की स्थिति और दिशा हासिल कर सकते हैं। इस मानचित्र में मेले की धार्मिक महिमा से जुड़े नदी-घाट, मंदिर, अखाड़े, संतों के डेरे, ठहरने के स्थल, होटल और खान-पान संबंधी भोजनालयों की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। 29 जनवरी को पड़ने वाली मौनी अमावस्या को सबसे बड़ा पर्व स्नान माना है। अतएव इस दिन छह से दस करोड़ लोग गंगा में स्नान करने का अनुमान है। बांकी पांच पर्वों में 2 से 8 करोड़ लोग संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाने आ सकते हैं। वैसे तो सुरक्षा के लिए 37000 पुलिस और विभिन्न बलों के जवान तैनात रहेंगे, लेकिन इतने लोगों पर इन जवानों द्वारा निगाह रखना आसान नहीं है, इसलिए समूची कुंभनगरी में कृत्रिम बुद्धि आधारित कैमरे लगा दिए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर लगे इन 2400 कैमरों की

आंख में एआई लैंस लगे हैं। अतएव ये चेहरे पहचानकर अपराधियों पर नजर रखेंगे। इस नगरी में जगह-जगह डिजिटल और बहुभाषी टच स्क्रीन बोर्ड लगाए गए हैं। जिन पर किसी भी प्रकार की घटना की तत्काल शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। ये सुविधाएं मेले में दिन-रात उपलब्ध रहेंगी। महाकुंभ के इस पर्व पर ढाई हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

सूर्य, पृथ्वी, चंद्रमा और गुरु के साथ शनि की विशेष स्थिति प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक के कुंभ व सिंहस्थ की तिथि सुनिश्चित रहती है। इस तिथि को एक स्थान पर आने में 12 वर्ष लगते हैं। इसी तथ्य को स्थापित करने की दृष्टि से बारह दिव्य दिवस का समय लगता है। वेगनर ने पृथ्वी की उत्पत्ति की जानकारी देने के क्रम में पेंजिया की स्थिति को अपने मानचित्र में दक्षिण ध्रुव में दर्शाया है। वस्तुतः प्री कैम्ब्रियन युग में भूमंडल में जल-थल भाग दक्षिणी ध्रुव में इकट्ठे थे। इस कालखंड में भारतीय महाद्वीप भी दक्षिण ध्रुव के एकदम निकट था। इससे संकेत मिलता है कि प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन व नासिक भी दक्षिण ध्रुव के निकट रहे होंगे। उस कालखंड में वहां छह माह का दिन और छह माह की रात हुआ करते थे। आज भी दक्षिणी ध्रुव और उत्तरी ध्रुव में छह माह की रात्रि और छह माह के ही दिवस होते हैं। इस तरह से 12 दिन और 12 रात अर्थात् छह रात और एक दिन का गुणा-भाग करने से जो योगफल निकलता है, वह 12 वर्ष का होता है। स्पष्ट है, वेगनर की यह खोज पुराणों में दर्ज कूर्मावतार में उल्लेखित समुद्र-मंथन की कथा को विज्ञान के संदर्भ में पुष्टि करती है।

कुंभ में सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति ग्रहों का महत्व

अमृत-कलश की रक्षा में सूर्य, चंद्र और बृहस्पति ने इन्द्र पुत्र जयंत की रक्षा की थी। सूर्य ने अमृत घट को फूटने से, चंद्र ने गिरने से और बृहस्पति ने दानवों के हाथ में जाने से बचाया था। इसीलिए कुंभ पर्व का आयोजन बृहस्पति, सूर्य व चंद्र के आकाशीय योग के अनुसार होता है। समुद्र-मंथन की कथा में बृहस्पति, कुंभ और 12 की संख्या महत्पूर्ण है। पुराणों में बृहस्पति को देवताओं का गुरू माना गया है, लेकिन वास्तव में वह सौर मंडल का एक ग्रह है, वह भी सबसे बड़ा ग्रह। बृहस्पति को नक्षत्र मंडल यानी कुल 12 राशियों का एक चक्कर लगाने में करीब 12 वर्ष लगते हैं, जबकि वास्तव में ये होते 11.86 वर्ष हैं। बृहस्पति के इसी सूर्य-परिभ्रमण काल के आधार पर भारत में प्राचीन काल में शक व विक्रम संवतों के भी प्रचलन से पहले, बार्हस्पत्य संवत्सर की काल गणना अस्तित्व में थी। बार्हस्पत्य संवत्सर के दो चक्र थे। एक 12 वर्ष का और दूसरा 60 वर्ष का चक्र। पहला चक्र बृहस्पति के 12 राशियों में होने वाले भ्रमण पर आधारित था, इसलिए उसके वर्षों का महाचैत्र, महावैशाख और माहों को चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन नाम दिए गए थे।

महाकुंभ का मेला ग्रह योग पर आधारित है। बृहस्पति को राशीचक्र का वस्तुतः सूर्य का एक चक्कर लगाने में मोटे तौर से 12 वर्ष लगते हैं। गोया, कुंभ मेले 12 साल के अंतराल से आयोजित होते हैं। अमृत-घट प्राप्ति के लिए देव-दानव संग्राम 12 वर्षों तक चला। ये 12 वर्ष 12 वर्षीय बार्हस्पत्य संवत्सर के द्योतक हैं। अमृत-कलश से बूंदें भी 12 स्थलों पर छलकी थीं। अपनी सटीक काल-गणना से भारतीय मनीषियों ने यह भी ज्ञात कर लिया था कि बृहस्पति को राशि चक्र का एक चक्र पूरा करने में वस्तुतः 11 वर्ष और करीब 315 दिन लगते हैं। इस प्रकार 84 साल में एक साल का अंतर पड़ जाता है। इस गुणनफल के हिसाब से छह कुंभ तो 12 वर्शों के अंतराल से होंगे, लेकिन सातवां कुंभ 11 वर्ष बाद आ जाएगा।

समुद्र-मंथन का स्थान

क्षीरसागर का पानी अपने विशिष्ट गुणों के कारण बेहद उपयोगी रहा है। भारत का केरल तट क्षीरसागर की प्रायोगिक भूमि रहा है। समुद्र-मंथन के लिए आधार भूमि होना जरूरी है। इस दृष्टि से यदि केरल तट पर देवों का समुदाय था तो लंका से अफ्रीका तक दैत्यों का समुदाय उपस्थित था। वस्तुतः देव संस्कृति मंत्र, तंत्र और अध्यात्म प्रधान थी, इसके विपरीत असुर भौतिकवादी थे। मंथन से अमृत-कलश प्राप्त हुआ तो देवता सबसे पहले उत्तर दिशा में गोदावरी के तट पर त्रयम्बकेश्वर (नासिक) पहुंचे। सबसे पहले यहीं कलश से अमृत की बूंदें छलकीं। नासिक के बाद भागते देव पूर्व की ओर अवन्तिका (उज्जैन) आए। यहां क्षिप्रा के तट पर छीना-झपटी में कुछ बूंदें टपकीं। यहां से संघर्षरत देव-दानव हरिद्वार पहुंचे। यहां भी अमृत कलश छलका। तत्पश्चात देव-दानव पश्चिम की ओर बढ़ते हुए प्रयाग पहुंचे। यहां भी बूँदें गिरीं। इस तरह पृथ्वी पर चार और स्वर्ग में आठ स्थलों पर अमृत-घट छलकने से बूंदें गिरीं। धरती पर तो कुंभ मेले लगने से समुद्र-मंथन की गाथा अमर है, लेकिन स्वर्ग में जिन आठ स्थलों पर अमृत-बूंदें गिरीं, वे किस अवस्था में हैं, कोई नहीं जानता। इस तरह से समुद्र-मंथन और कुंभ दोनों ही वैज्ञानिक अवधारणाएं हैं।

प्रतिबंध के बावजूद खुले आम बिक रही शराब

प्रदर्शन कर आम आदमी पार्टी सुर्खियों में

नर्मदापुरम। आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता ने आज धार्मिक नगरी में बिक रही अवैध शराब बिक्री बंद कराने को लेकर खासा प्रदर्शन किया आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए, दोपहर को उन्होंने कलेक्टर गेट पर खासा प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम शराब बिक्री को बंद कराने हेतु कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। मुट्ठी भर ही सही लेकिन नगर और नगरवासियों के हित में अवैध शराब

बिक्री बंद कराने के लिए सड़क पर उतरी आम आदमी पार्टी बधाई की पात्र कही जा रही है, जो धार्मिक और पवित्र नगरी में खुले आम बेचीं जा रही शराब बिक्री रोकने के लिए प्रदर्शन तो कर रही..? यह बात चौक चौराहों पर अब चर्चा का विषय बन गया, कहा जा रहा आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन से अब शराब बिक्री को और खुली छूट मिलेगी क्योंकि इस पवित्र नगरी में एक जोड़ी विधायक एक जोड़ी सांसद जो अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री का फैसले का पालन प्रशासन से नहीं करवा पा रहे, भला राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन से अवैध शराब बिक्री रुकवा कर उसे महत्व क्यों देंगे, वैसे तो कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में मानी जाती है लेकिन मुख्यालय पर भाजपा सहित कांग्रेस आज भी विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चौरे के आटो चुनाव चिन्ह को मिले 57 हजार वोटों के सदमे से बाहर नहीं पाई। भाजपाई विधायक, सांसद सभी कह रहे शिकायत कर रहे नगर में शराब कुटीर उद्योग में परिवर्तित हो गया पर प्रशासन के जरिए वे अवैध शराब बिक्री रुकवा नहीं पा रहे हैं। जहां देखो वहां शराबी और शराब की खबरें, जिसमें भाजपाई पदाधिकारियों की संलिप्तता और कद्दावर नेताओं का संरक्षण पूरे नगर को मैखानें में तब्दील कर चुकी हैं।

अपर आयुक्त अदालत का बहिष्कार

नर्मदापुरम। शांति निकेतन मांटेसरी स्कूल प्रबंधन ने कूट रचित दस्तावेज द्वारा जालसाजी कर नजूल विभाग की मिली भगत से चारसों बीसी कर शासन को स्टाम्प ड्यूटी की लगाई चपत है नजूल विभाग से साबित होने के बाद भी स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज नहीं हो पाने को लेकर मैदान में डटे शिकायत कर्ता सीताशरण पाण्डेय को अभी तक तो न्याय मिलता नजर नहीं आया। लेकिन कागजी कार्यवाही और पुख्ता दस्तावेजों के साथ सीताशरण पाण्डेय भी स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने को लेकर आज भी डटे हुए हैं। पुलिस अधिकारी, कोतवाली, उच्च न्यायालय, भारत सरकार कार्मिक विभाग सभी को वे क्रमशः दस्तक दे चुके, कदम दर कदम आगे बढ़ रहे मामले को लेकर जनहित में न्याय के लिए संघर्ष कर रहे सीताशरण पाण्डेय ने अब न्यायालय अपर आयुक्त के न्यायालय में नियत राजस्व प्रकरण क्रमांक अपील/0237/वर्ष 2024-25 के मामले को लेकर अब पीठासीन अधिकारी द्वारा नीति के विरुद्ध निर्णय लेने पर उनकी अदालत का बहिष्कार करने को लेकर अडिग है उक्त संबंधित मामले में उन्होंने न्यायालय श्रीमान अपर आयुक्त को पत्र प्रेषित करते हुए ग्रेस जार्ज के विरुद्ध चल रहे उनकी अदालत में उनकी भूमिका पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया। श्री पाण्डेय ने चार बिन्दु के अपने इस पत्र में स्पष्ट किया कि उक्त राजस्व प्रकरण सिविल नेचर का होकर एक आपराधिक प्रकृति का मामला है।

महिला वनकर्मी से छेड़छाड़ मामले में 4 साल बाद सीसीएफ मीणा पर केस दर्ज

बैतूल। बैतूल वन वृत्त के तात्कालीन सीसीएफ के बहुचर्चित महिला वन कर्मियों के उत्पीड़न और छेड़छाड़ के मामले में गंज थाना बैतूल में महिला फॉरेस्ट गार्डो की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। जांच के 4 साल बाद जांच प्रतिवेदन एसपी निश्चल झारिया के पास पहुंचा। इसके बाद अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। वर्तमान में मीणा भोपाल में एपीसीसीएफ हैं। बता दे कि वर्ष 2021 में बैतूल वन वृत्त में सीसीएफ (प्रधान मुख्य वन संरक्षक) के पद पर पदस्थ रहे मोहन मीणा के खिलाफ बैतूल की महिला वनकर्मियों ने कार्यस्थल पर उत्पीडऩ के अलावा फोन पर घर बुलाने, फील्ड में अकेले साथ चलने के लिये दबाव बनाने की शिकायतें प्रमुख सचिव वन और वन बल प्रमुख से लिखित शिकायते की थी। प्रमुख सचिव वन विभाग ने शिकायतों को गंभीरता से लिया और दो अलग अलग जांच दल बनाकर बैतूल भेजा था। जांच दलों ने पुलिस की सहायता से आरोपों के आधार पर सीडीआर की कॉपी निकाली और उसके साथ 24 पेज का जांच प्रतिवेदन 2021 में ही वन बल प्रमुख को सौंप दिया था। जिसके बाद तात्कालीन सीसीएफ मोहन मीणा को बैतूल में निलंबित कर भोपाल भेज दिया था। लेकिन भोपाल से जांच दल रिपोर्ट के आधार पर मोहन मीणा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नही करवाया गया था। लगातार हुई शिकायतों के बाद गंज थाने में महिला वनकर्मी के पहले बयान दर्ज हुए। इसके आधार पर गंज थाने में मोहन मीणा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

10 ग्रामों के जल एवं स्वच्छता समिति सदस्यों ने सीखी पानी की गुणवत्ता जांचने की विधि

बैतूल। जल जीवन मिशन के तहत बैतूल जिले के कासा रिसोर्स सेंटर, नीमपानी में 6 जनवरी से 8 जनवरी तक तीन दिवसीय समुदाय स्तरीय हितधारकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यपालन यंत्री मनोज बघेल, जिला समन्वयक भूपेंद्र मेनवे और ग्रामोद्योग संस्थान के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम में 10 ग्रामों के ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीणों को पानी की गुणवत्ता जांचने की विधि सिखाना और जल में मौजूद रासायनिक तत्वों के प्रभाव से अवगत कराना था। जल जीवन मिशन के मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले ने बताया कि पानी की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण जरूरी है, क्योंकि रासायनिक तत्वों की अधिकता मानव शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। सदस्यों को पानी में पीएच मान, क्लोरीन, हार्डनेस, नाइट्रेट, फ्लोराइड, आयरन, और अन्य तत्वों की जांच की विधि सिखाई गई। साथ ही, रसायनों के अधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान सदस्यों को बताया गया कि नाइट्रेट से ब्लू बेबी सिंड्रोम, फ्लोराइड से फ्लोरोसिस, आर्सेनिक से कैंसर और अन्य बीमारियां हो सकती हैं। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में शुद्ध पानी पहुंचाना और जल संरक्षण को बढ़ावा देना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा। दूसरे दिन प्रतिभागियों को रामपुरमाल का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने सामाजिक मानचित्रण और जल संरक्षण से संबंधित कार्यों का अवलोकन किया। तीसरे दिन जल निगरानी और स्थानीय कौशल विकास पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले, अंकित सिंह ठाकुर, महेंद्र सिंह वर्मा, देवेंद्र कदम, निलेश रघुवंशी, और भोपाल के विलेज इंडिया कल्याण संस्थान के अंकित वर्मा और बरखा नागले सहित पंचायत सरपंच, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और पंप ऑपरेटर की भूमिका सराहनीय रही।

मंगलवार रही सीजन की दूसरी सबसे ठंडी रात, 6.7 डिग्री दर्ज किया गया रात का तापमान

• शीतलहरों से कंपकंपाया जिला, गुनगुनी धूप में भी बरकरार रहा ठंड का असर

बैतूल। सर्द हवाओं ने जिले में ठिठुरन बढ़ा दी है। इससे मंगलवार और बुधवार को दिन में भी लोग कांपते नजर आए। सर्द हवाओं से दिन और रात के तापमान में भी कमी आई है। दिन का तापमान 23 डिग्री तक पहुंच गया है, वहीं मंगलवार रात का तापमान 5.5 डिग्री गिरकर 6.7 डिग्री दर्ज किया गया। एक दिन पहले 6 जनवरी को रात का तापमान 12.2 डिग्री पर था। हाल यह था कि बुधवार गुनगुनी धूप में भी ठंड का असर बरकरार रहा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अभी कुछ दिन और शीतलहर का असर शहर में रहेगा। दरअसल जनवरी के दूसरे सप्ताह में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। ठंड के चलते लोगों की दिनचर्या पर असर पड़ रहा है और अलाव ही एकमात्र सहारा बन गया है। बर्फीली हवाओं के चलते लोगों के हाथ-पैर सुन्न हो रहे हैं। ठंड का असर बूढ़े, बच्चे और जवान, सभी के चेहरे पर साफ नजर आ रहा है। लोग घरों से देर से बाहर निकलते हैं और जल्दी लौट रहे है। अचानक बडी सर्दी से दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है।

मंगलवार सीजन की दूसरी सबसे ठंडी रात– मंगलवार याने 7 जनवरी की रात बैतूल में सर्द सीजन की दूसरी ठंडी रात रही। इससे पहले 12-13 दिसंबर को बैतूल में रात का तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन का तापमान 22.5 दर्ज किया था, वहीं 7 जनवरी की रात 6.7 डिग्री पर तापमान रहा। कोल्ड वेव चलने से कड़ाके की सर्दी में लोग ठिठुरते हुए नजर आए। दिन में भी लोग गर्म कपड़े पहनकर निकले। बैतूल का अधिकतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर चिकित्सक द्वारा बच्चों और बुजुर्गों को इस मौसम में विशेष रूप से ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है। डॉक्टर द्वारा सुबह की सैर करने वालों को सलाह दी गई है कि वे अपने शरीर को अच्छी तरह ढककर बाहर निकलें। ऐसे मौसम में गर्म पेय पदार्थ और पौष्टिक आहार का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी रहेगा।

आगे भी ऐसा ही रह सकता है मौसम – मौसम विभाग के अनुसार आगामी तीन-चार दिनों तक सर्द हवाओं के चलने से मौसम इसी तरह ठंडा रहने का अनुमान है। उत्तरी भारत में बर्फबारी की वजह से सर्द हवा चल रही है। जिससे तीन-चार दिन तक कड़ाके की सर्दी पड़ सकती है। शीतलहर चलने से लोग ठिठुर गए। लोगों का कहना है कि दिन में धूप तो निकल रही है, लेकिन ठंडी हवा से सर्दी में कमी नहीं आई। ठंड की वजह से सुबह सैर करने वालों की संख्या भी कम हो गई है। तापमान में एकाएक गिरावट आने से पूरा जिला ठिठुर रहा है। लोग ठंड से बचने के लिए लोग स्वेटर, जैकेट, कनपटी, मफलर बांधकर ही घर से निकल रहे है।

धूप से भी नहीं मिल रही थी राहत

तापमान गिरने से मौसम और सर्द हो गया है। बुधवार को धूप तो निकली, लेकिन सर्द हवाओं से कनकनी बनी रही। तापमान गिरने से दिनभर ठंड लग रही है। शाम होते ही शहर के बाजार में सन्नाटा पसर रहा है। शाम सात बजे के बाद से बाजार में ग्राहकों की कमी देखी गई। शाम 8 बजे के बाद सडक़े भी सूनी नजर आई। कुछ दुकाने तो रात 8 बजे ही बंद हो गई। कई जगह लोग अलाव जला कर आग तापते दिखे। ठंड बढ़ने से लोग बीमार भी होने लगे हैं। इन दिनों सर्दी-खांसी व बुखार से सभी ग्रस्त हैं। अधिकतर लोग ठंड लगने से बीमार पड़ जा रहे हैं। बुखार के साथ लोगों को शरीर में दर्द, सर्दी, खांसी की शिकायत हो रही हैं।

फसलों के लिए लाभदायक ठंड

किसानों का कहना है कि ऐसा मौसम गेहूं के लिए फायदेमंद है। ठंड से फसलों की ग्रोथ बेहतर होती है और पैदावार बढने की संभावना रहती है। इधर कृषि वैज्ञानिक श्री वर्मा का कहना है कि ठंड गेहूं फसल के लिए अच्छी है, क्योंकि इससे पौधों की ग्रोथ तेज होती है और फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है। लेकिन अगर पाला पड़ता है तो फसल को नुकसान हो सकता है। ठंड से गेहूं की फसल को विशेष लाभ होता है, लेकिन पाले की स्थिति में खासकर दलहनी फसलों पर जब पौधों में फूल आते हैं तब पाले का नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलता है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ेगा। इसलिए वे फसल में नमी बनाए रखने और पाले से बचने के उपायों पर ध्यान दे रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग की सलाह

- घर से बाहर निकलते समय गर्म कपड़े पहनें।
- बच्चों को ज्यादा देर ठंड में न घूमने दें।
- गर्म कपड़ों से बच्चों को ढक रखें।
- रात के समय खुले मैदान और घर से बाहर न निकलें।
- गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।
- ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें।

स्टेडियम में बन रहा 6 फीट ऊंचा स्टेज

म्यूजिकल नाइट में 11 को गूंजेंगे सुरों के तराने

बैतूल। म्यूजिकल नाइट का आयोजन 11 जनवरी को लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में होने जा रहा है। आयोजन को अब सिर्फ दो दिन ही शेष बचे हुए हैं। समिति द्वारा स्टेडियम में भव्य स्टेज का निर्माण कराना प्रारंभ कर दिया है। म्यूजिकल नाइट में आने वाले सिंगरों को सुनने के लिए जिले की जनता बेताब नजर आ रही है। सभी संगीत और सुरो का आनंद उठाने के लिए प्रवेश पास प्राप्त करने लगे हैं ताकि परिवार सहित कार्यक्रम का लुत्फ उठा सके। संतुलन समिति के अध्यक्ष सजल प्रशांत गर्ग ने बताया कि दिव्यांगों के सहायतार्थ सामाजिक संस्था संतुलन के द्वारा नगर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में यह भव्य म्यूजिकल नाइट का आयोजन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाने लगा है। आयोजन समिति के सदस्य एवं जिला औषधि संघ के सचिव सोनू सलूजा ने बताया कि जिले की सांस्कृतिक और सामाजिक संस्था संतुलन के तत्वावधान में आगामी 11 जनवरी को होने वाली भव्य म्यूजिकल नाइट के लिए स्टेडियम में शानदार स्टेज का निर्माण कराना प्रारंभ कर दिया है। स्टेज की खासियत यह है कि यह जमीन से करीब 6 फीट ऊंचा बनाया जा रहा है ताकि स्टेडियम में कुर्सी पर बैठे हुए सभी श्रोताओं को कलाकार स्पष्ट दिखाई दे सकें और वह कार्यक्रम का परिवार सहित भरपूर आनंद उठा सके। स्टेज का निर्माण स्टेडियम की चतुर्भज सीमा को ध्यान में रखकर किया जा रहा है जिससे स्टेज के तीन तरफ बैठने वाले श्रोताओं को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

दो दिनों के बाद सजेगी सुरों की महफिल– आयोजन समिति के सदस्य अमित रघुवंशी अधिवक्ता ने बताया कि 11 जनवरी को स्टेडियम में होने वाली म्यूजिकल नाइट को अब बस दो दिनों का ही समय शेष रह गया है। इसको लेकर श्रोताओं में काफी उत्साह नजर आ रहा है। जिले भर से श्रोता कार्यक्रम का आनंद उठाने के लिए समिति के सदस्यों से संपर्क कर प्रवेश पास प्राप्त कर रहे है।

मृतक बलराम वरकड़े की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

जादू टोने के शक में कुल्हाड़ी मारकर की थी हत्या

बैतूल। चिचोली क्षेत्र के ग्राम आलमपुर में मिले एक व्यक्ति के शव की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे मृतक पर जादू-टोने का शक था। जिसके चलते उनसे कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। दरअसल 22 दिसंबर 2024 को पुलिस को सूचना मिली थी कि चिचोली थाना क्षेत्रातंर्गत ग्राम आलमपुर में बलराम वरकड़े (उम्र 52 वर्ष) का खून से लथपथ शव लालमन वरकड़े के खेत में पड़ा है। मृतक के गले और चेहरे पर धारदार हथियार से गंभीर चोटे थी। घटना की सूचना मिलते ही चिचोली पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना स्थल का मुआयना किया

था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया द्वारा विशेष जांच टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान मृतक के परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की गई। साक्ष्यों और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी राधेश्याम पिता लालमन वरकडे (उम्र 35 वर्ष) निवासी पटेलढाना ग्राम आलमपुर को संदेह के घेरे में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे मृतक बलराम पर जादू टोने का शक था। आरोपी के अनुसार उसकी बहन की मृत्यु, पत्नी की बीमारी और भैंस की मौत के पीछे बलराम के जादू टोने को कारण माना जा रहा था।

कुछ दिन पहले हुआ था विवाद

घटना से कुछ दिन पहले बलराम और आरोपी के बीच विवाद हुआ था, जिसमें बलराम ने आरोपी को धमकी दी थी। इसी रंजिश के कारण 20 दिसंबर 2024 की रात आरोपी ने बलराम को खेत में अकेला पाकर कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी राधेश्याम को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद की गई। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस प्रकरण के खुलासे में अनुविभागीय अधिकारी (शाहपुर) मयंक तिवारी, थाना प्रभारी चिचोली हरिओम पटेल, निरीक्षक आबिद अंसारी, उपनिरीक्षक गजेंद्र सिंह भदौरिया, सहायक उपनिरीक्षक मुलायम सिंह मौर्य, प्रधान आरक्षक मेजर सिंह मर्सकोले, आरक्षक मनीष उडक़े और लक्ष्मण यादव सहित थाना चिचोली के स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा।

पत्नी की हत्या कर शव जलाने वाला पति गिरफ्तार

पारिवारिक विवाद में सिर पर पत्थर मारकर की थी हत्या

बैतूल। मुलताई क्षेत्र के ग्राम पांढरी में रोड किनारे किसान नंदलाल इवनाते के खेत में एक महिला का जला हुआ शव मिला था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच में पाया गया कि शव अधजला था और मृतिका के वायें पैर में पायल पहनी हुई थी। प्राथमिक जांच के बाद मामला हत्या और साक्ष्य छुपाने का प्रतीत हुआ। मौके पर ही देहाती मर्ग और अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया। पुलिस ने मृतिका की शिनाख्त के लिए आसपास के गांवों से गुमशुदगी की जानकारी एकत्र की गई। ग्राम उमरी निवासी रेखा धुर्वे (उम्र 28 वर्ष) के परिजनों ने मृतिका के हुलिये और पायल के आधार पर उसकी पहचान की। रेखा के मायके पक्ष ने बताया कि वह दो दिन से लापता थी और आखिरी बार उसकी बातचीत 5 जनवरी को हुई थी। फोन पर रेखा ने बताया था कि उसके पति प्रहलाद धुर्वे के साथ देवपूजा को लेकर विवाद चल रहा है। मृतिका के पति प्रहलाद धुर्वे (उम्र 30 वर्ष) ने 5 जनवरी की रात खेत में पानी देते समय देवपूजा को लेकर हुए विवाद के दौरान पत्थर से रेखा के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद प्रहलाद ने शव को बोरे में भरकर मोटरसाइकिल से 3 किमी दूर एक मक्के के कडवे के ढेर में ले जाकर जला दिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या और साक्ष्य छुपाने की पूरी घटना को स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, खून से सना पत्थर, मृतिका का मोबाइल, शव बांधने में प्रयुक्त रस्सी और घटना के समय आरोपी द्वारा पहने गए खून लगे कपड़े बरामद कर लिया है। सभी जप्त सामग्री को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। इस प्रकरण के सफल खुलासे में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मुलताई मयंक तिवारी, थाना प्रभारी मुलताई राजेश सतनकर, प्रभारी एफएस एल निरीक्षक आबिद अंसारी, चौकी प्रभारी पट्टन नेपाल सिंह ठाकुर, उप निरीक्षक छत्रपाल धुर्वे, आरक्षक विशाल, सेवाराम, लक्ष्मीकांत, भुवनेश्वर, सैनिक दिनेश रघुवंशी एवं अन्य पुलिस कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

संस्था सार्थक की भजन संध्या फूल बंगला एवं महाआरती संपन्न

देवास। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संस्था सार्थक द्वारा खेड़ापति मंदिर पर फूल बंगला सजाया गया तथा शाम को भजन संध्या एवं महाआरती संपन्न की गई, तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। संस्था सार्थक के संयोजक पं. दीपेश कानूनगो ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री जयवर्धनसिंह थे। भजन संध्या में भजन गायक द्वारका मंत्री ने अपने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थितजनों को देर रात तक बांध रखा तथा अपने भजनों पर सभी उपस्थितजनों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मुख्य अतिथि जयवर्धनसिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री खेड़ापति सरकार की महाआरती एवं भजन संध्या में शामिल होकर मुझे अपार आनंद और आध्यात्मिक शांति का अनुभव हुआ है। पूरे वातावरण में भक्ति की महक, मंत्रों की पवित्र गूंज और भजनों की धुनों ने मन और आत्मा को आलोकित कर दिया। ऐसे पवित्र आयोजन हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को सजीव बनाए रखते हैं। श्री सिंह ने श्री कानूनगो को साधुवाद देते हुए आयोजन की बधाई दी और आशा व्यक्त की कि संस्था के दसवें वर्ष के भव्य आयोजन में भी मैं शामिल हो सकूं। इस अवसर पर राजेन्द्र मालवीय, चिटू चोकसे, राजू भदोरिया, पं. रितेश त्रिपाठी, प्रदीप चौधरी, शिवनारायण हाड़ा, दिलीप परमार, विक्रम पटेल, सिद्धार्थ माहुरकर, जितेन्द्र गौड़, गुरूचरण सलूजा, प्रयास गौतम, राजेश राठौर, राजु कुडिया, गुलाबसिंह, संजय शुक्ला, दिलिपसिंह बजेपुर, संजय कहार, साधना प्रजापति, पवन चौधरी, मोहित शर्मा, कालूसिंह राजपूत, ईश्वर हरोड़े, गुड्डु जोशी, राजेश गुप्ता एडव्होकेट, राहुल गार्गव, गुरपितसिंह, दीपेश हरोड़े, अतुलसिंह, मोनू चौहान, प्रशांतसिंह, श्यामपुरी गोस्वामी, मुकेश यादव, रवि कुमावत, दीपक मोदी, लोकेन्द्र बगाना, नंदकिशोर पांचाल सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रपालसिंह सोलंकी ने किया।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को पुलिस की सख्ती, अर्थदण्ड

देवास/मोहन वर्मा। अपराधियों पर अंकुश के साथ पुलिस कप्तान पुनीत गेहलोद द्वारा यातायात पुलिस के माध्यम से अब शहर मे जो यातायात सुधार के प्रयास किये जा रहे है उसके भी सकारात्मक परिणाम नजर आने लगे है। बात ट्रैफिक सिग्नल पर भागने की हो या उल्टी दिशा से आने की हो, निरंकुश वाहन चालन की हो या दस्तावेज न रखने की हो पुलिस अब सख्त रवैया अपना रही है।

दिनांक 31.12.24 को मोटरसाईकल वाहन क्रमांक ख्ब्41ख्3165 का चालक सुजल सोनगरा पिता अंतर सिंह 20 साल निवासी 25 आनंदर ऋषि नगर देवास को बस स्टेड एबी रोड देवास पर नशे की हालत में तेज गति एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुये पाया गया। चालक वाहन पर समुचित नियंत्रण रखने में असमर्थ था जिसे भोपाल चौराहा पर रोकने का प्रयास किया गया तो वह नही रुका तत्पश्चात बस स्टेंड पर स्टॉपर लगाकर वाहन को रोका गया । बाद उक्त वाहन चालक सुजल सोनगरा पिता अंतर सिंह 20 साल निवासी 25 आनंदर ऋषि नगर देवास का ब्रीथ एनेलाईजर

टेस्ट किया गया जिसमें 88 एम.जी एलकोहल की पुष्टि हुई साथ ही चालक के पास वैध ड्रायविंग लायसेंस नही पाया गया। पुलिस अधीक्षक देवास श्री पुनीत गेहलोद द्वारा शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालो सख्त कार्यवाही के आदेश दिये गये थे जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय (यातायात) श्री हरनारायण बाथम एवं देवास नगर पुलिस अधीक्षक श्री दीशेष अग्रवाल द्वारा उल्लंघन करने पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्यवाही करने हेतु थाना प्रभारी थाना यातायात श्री पवन बागड़ी को निर्देशित किया गया था पुलिस थाना यातायात ने उक्त आदेश के पालन में आरोपी 01.सुजल पिता अंतर सिंह सोनगरा उम्र 20 साल निवासी ऋषि नगर देवास 02.रेखा बाई पति अंतर सिंह उम्र 59 साल निवासी ऋषि नगर देवास के द्वारा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर इस्तगासा क्रमांक 20524/2024 दिनांक 31.12.2024 को धारा 185, 3/181, 51/177, 112/183, 179(1), 132/177, 129/177, 5/180 मोटरयान अधिनियम का प्रकरण तैयार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

दिनांक 07.01.2025 को उक्त प्रकरण में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रविकांत सोलंकी ने आरोपी 01.सुजल पिता अंतर सिंह सोनगरा उम्र 20 साल निवासी ऋषि नगर देवास 02.रेखा बाई पति अंतर सिंह उम्र 59 साल निवासी ऋषि नगर देवास को

25,500/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

सराहनीय कार्यः उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी यातायात श्री पवन बागड़ी,प्रआर अभय सिंह,मुकेश मालवीय,अभिषेक त्रिपाठी की सराहनीय भूमिका रही ।

मौला अलि -वाराणसी- मौला अलि महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन

भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महाकुंभ मेला विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 07087/07088 मौला अलि -वाराणसी- मौला अलि महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन 01-01 ट्रिप चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 07087 मौला अलि -वाराणसी महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन (01 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 07087 मौला अलि -वाराणसी महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 17 फरवरी 2025 को मौला अलि स्टेशन से रात 23.55 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन शाम 17.40 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सुबह 11.10 बजे वाराणसी स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 07088 वाराणसी-मौला अलि महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन (01 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 07088 वाराणसी-मौला अलि महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 19 फरवरी 2025 को शाम 19.15 बजे वाराणसी स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन 14.40 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सुबह 07.00 बजे मौला अलि स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट- रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में भोंगीर, जंगांव, काजीपेट जंक्शन, जामिकुंटा, पेद्दापल्ली जंक्शन, रामागुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, नागपुर, बैतूल, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना- इस विशेष ट्रेन में 7 शयनयान श्रेणी, 03 सामान्य श्रेणी, 06 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी एवं 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के डिब्बे सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

उमरंगसो में फंसे खनिकों को बचाने भारतीय नौसेना की टीम तैनात

नईदिल्ली। भारतीय नौसेना ने सहायता के लिए तत्काल अनुरोध के जवाब में, असम के दीमा हसाओ जिले के एक सुदूर औद्योगिक शहर उमरंगसो में फंसे खनिकों को बचाने के लिए एक विशेष टीम को तैनात किया है। इस टीम में एक अधिकारी और ग्यारह नाविक शामिल हैं, जिसमें अत्यधिक प्रशिक्षित क्लीयरेंस डाइवर्स शामिल हैं जो गहरे पानी में गोता लगाने और बचाव कार्यों में कुशल हैं।

टीम इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील मिशन के लिए पूरी तरह सुसज्जित है, तथा खोज और बचाव के लिए गहरे गोताखोरी उपकरण और पानी के भीतर रिमोट संचालित वाहन (आरओवी) जैसे विशेष उपकरण लेकर चल रही है।

तत्काल और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए भारतीय सेना, एनडीआरएफ और स्थानीय नागरिक प्रशासन के साथ परस्पर समन्वय के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

भारतीय नौसेना की टीम विशाखापत्तनम से 7 जनवरी 2025 को भारतीय वायुसेना द्वारा संचालित हवाई मार्ग से घटनास्थल पर पहुंची।

गहन खोज एवं बचाव अभियान जारी है, तथा सुचारू एवं समयबद्ध बचाव अभियान के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ नियमित रूप से सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है।

भारतीय नौसेना संकट के समय त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा यह आपात स्थितियों में जीवन की रक्षा करने तथा राष्ट्र को सहयोग देने के अपने संकल्प को दर्शाती है।

इटारसी-प्रयागराज छिवकी के मध्य संचालित ट्रेन को चुनार स्टेशन तक बढ़ाया

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा आगामी महाकुम्भ मेला के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए कई ट्रेनों को विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में इटारसी-प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस ट्रेन को चुनार स्टेशन तक चलाने का निर्णय लिया गया है। इस एक्सप्रेस ट्रेन का प्रयागराज छिवकी से चुनार के मध्य चलने वाली तिथियों एवं समय सारिणी का विवरण इस प्रकार है। गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 10 जनवरी 2025 से 15 जनवरी 2025 तक (06 ट्रिप), 17 एवं 18 जनवरी 2025 (02 ट्रिप), 24 एवं 25 जनवरी 2025 (02 ट्रिप), 27 जनवरी 2025 से 04 फरवरी 2025 तक (09 ट्रिप), 07 एवं 08 फरवरी 2025 (02 ट्रिप), 10 फरवरी 2025 से 15 फरवरी 2025 तक (06 ट्रिप), 21 एवं 22 फरवरी 2025 (02 ट्रिप) एवं 24 फरवरी 2025 से 27 फरवरी 2025 तक (04 ट्रिप) इटारसी स्टेशन से 17:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह प्रयागराज छिवकी 09:55 बजे पहुँचकर, 10:15 बजे प्रस्थान कर, मेजा रोड 11:10 बजे, माण्डा रोड 11:30 बजे, विन्ध्याचल 11:58 बजे, मिर्ज़ापुर 12:13 बजे पहुँचकर, दोपहर 13:30 बजे चुनार स्टेशन पहुंचेगी। (कुल 33 ट्रिप)।

भोपाल रेल मंडल द्वारा टी.बी. उन्मूलन के लिए 'निक्षय शिविर' का आयोजन

भोपाल। भारत सरकार के 100 दिवसीय टी.बी. उन्मूलन अभियान के अंतर्गत भोपाल मंडल के विदिशा जिले को उच्च प्राथमिकता वाला जिला चयनित किया गया है। इस अभियान के तहत, मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा के नेतृत्व में आज दिनांक 08.01.2025 को विदिशा स्टेशन पर जिला क्षय नियंत्रण केंद्र, विदिशा के सहयोग से विशेष 'निक्षय शिविर' का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 174 लाभार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 106 रेलवे कर्मचारी और उनके परिजन थे। शिविर में उच्च जोखिम वाली आबादी की स्क्रीनिंग हेतु 139 एक्स-रे एवं 25 बलगम परीक्षण किए गए।

जागरूकता अभियान- वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि स्टेशन पर यात्रियों और आमजन में टी.बी. के बचाव, शीघ्र निदान, उपचार, और आहार संबंधी जानकारी पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से साझा की गई। साथ ही पोस्टर, पंपलेट, होर्डिंग्स और स्टैंडीज का उपयोग करके जागरूकता का प्रसार किया गया।

इस अवसर पर रेलवे की ओर से वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी (स्वास्थ्य) डॉ. श्रुति मेंढेकर ने सक्रिय भागीदारी की और शिविर की सफलता सुनिश्चित की।

डॉ. समीर किरार (डीटीओ, विदिशा) एवं जिला क्षय नियंत्रण केंद्र की मेडिकल टीम का इस आयोजन में विशेष सहयोग रहा। रेलवे प्रशासन इस अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है और समाज के कल्याण में योगदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

'विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिन्दी ओलम्पियाड -2025'

भारत सहित विश्व के पचास से अधिक देशों में होगा आयोजित

भोपाल। अमेरिका, नीदरलैंड्स, नाटिंघम (यू.के.), म्यांमार, थाईलैण्ड, आयरलैंड, बुल्गारिया, बर्मिंघम (यू.के.), सिंगापुर, उजबेकिस्तान, यूक्रेन, रूस, श्रीलंका, सहित भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने की रचनात्मक भागीदारी भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के साथ-साथ हिंदी भाषा ने संपूर्ण विश्व में लोकप्रियता के नये आयाम गढ़ें हैं। विदेशों में भारतीय कला, साहित्य, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को जानने तथा इसके लिए हिंदी भाषा सीखने वालों की संख्या काफी बढ़ी हैं। इसी तरह भारत के अहिंदी भाषी राज्यों खासकर उत्तर पूर्वी एवं दक्षिण के राज्यों में भी हिंदी सीखने वालों की माँग भी बहुत बढ़ी है। भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषा शिक्षण को कौशल के रूप में रेखांकित किया गया है। यह बहुत सुखद है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर रोजगारमूलक भाषा के रूप में भी स्थापित हो रही है। वैश्विक स्तर पर साहित्य, कला और संस्कृति के लिए समर्पित 'विश्व रंग' महोत्सव ने अपने छः संस्करणों में हिंदी, भारतीय भाषाओं और स्थानीय बोलियों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में वैश्विक नई जमीन तैयार की है।

उक्त विचार विश्व रंग के निदेशक एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने 'विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025' के लिए आयोजित दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर श्री संतोष चौबे ने घोषणा करते हुए कहा कि इस वर्ष 'विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025' का आयोजन '14 सितंबर 2025 (हिंदी दिवस) से 30 सितंबर 2025' तक भारत सहित 'विश्व रंग' से जुड़े 50 से अधिक देशों में आयोजित किया जाएगा।

इस दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय बैठक का शुभारंभ गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर किया गया।बैठक के प्रारंभ में प्रोफेसर अमिताभ सक्सेना ने विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025 की विस्तृत कार्ययोजना पर प्रस्तुतीकरण दिया। डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रति कुलाधिपति, आर.ए.टी.यू. ने आईसेक्ट समूह के सभी छः.विश्वविद्यालयों में हिंदी ओलम्पियाड के आयोजन पर अपनी बात रखी। डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र ने हिंदी ओलम्पियाड के आयोजन संबंधी देश-विदेश से प्राप्त सुझावों को प्रस्तुत किया। इस अंतरराष्ट्रीय दो दिवसीय बैठक में श्री अनूप भार्गव (अमेरिका), डॉ. रामा तक्षक (नीदरलैंड्स), जय वर्मा (नाटिंघम, यू.के.), श्री चिंतामणि वर्मा (म्यांमार), शिखा रस्तोगी (थाईलैण्ड), श्री अभिषेक त्रिपाठी (आयरलैंड), डॉ. मौना कौशिक (बुल्गारिया), ने बैठक में उपस्थित होकर अपने रचनात्मक विचार व्यक्त किए। बैठक में डॉ. संध्या सिंह (सिंगापुर), डॉ. उल्फत (उजबेकिस्तान), डॉ. यूरी बोत्वींकिन (यूक्रेन), डॉ. प्रगति टिपणिस (रूस), सुश्री अतिला कोतलावल (श्रीलंका), ने वर्चुअल प्लेटफार्म से भागीदारी कर अपने रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत किए। इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बैठक में डॉ. नूतन पाण्डेय, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय (दिल्ली), श्री धनजी प्रसाद, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, (आगरा-दिल्ली) डॉ. कुमुद शर्मा, उपाध्यक्ष, साहित्यिक अकादमी एवं प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय (दिल्ली), डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय,वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय (मुंबई, महाराष्ट्र), श्री अनिल शर्मा जोशी, अध्यक्ष, वैश्विक हिंदी परिवार, (दिल्ली), प्रो. जितेन्द्र श्रीवास्तव, निदेशक, अंतरराष्ट्रीय प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू, दिल्ली), श्री नवीन लोहनी (मेरठ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश), डॉ. सोमा बंधोपाध्याय कुलपति, वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग, एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, कोलकाता (पश्चिम बंगाल), डॉ. एस.ए. मंजूनाथ (मंगलौर, कर्नाटक), श्रीमती अनुपमा तिवारी (बैंगलोर, कर्नाटक), श्री रामगोपाल सिंह, (अहमदाबाद, गुजरात), प्रो. सुशील कुमार शर्मा (मिजोरम), श्री राकेश कुमार मिश्र, महात्मा गांधी राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, (वर्धा) ने भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के रूप में रचनात्मक भागीदारी करते हुए विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025 की वृहद रूपरेखा पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर वरिष्ठ कथाकार श्री मुकेश वर्मा, डॉ. पुष्पा असिवाल, निदेशक-संयोजक, एस.जी.एस.यू., डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव, आर.एन.टी.यू., डॉ. पद्मेश चतुर्वेदी, ओ.ए.डी., चेयरमैन, कुणाल सिंह, समन्वयक, बहुभाषा अनुवाद केन्द्र, डॉ. गायत्री राजपूत, डॉ. अरुण पाण्डेय, सुश्री ज्योति रघुवंशी, राष्ट्रीय संयोजक, वनमाली सृजन पीठ, श्री प्रशांत सोनी ने भी संस्थान की ओर से रचनात्मक भागीदारी की।

अंतरराष्ट्रीय बैठक का संयोजन डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र एवं श्री संजय सिंह राठौर, सचिव, विश्व रंग सचिवालय द्वारा किया गया।

उल्लेखनीय है कि आमंत्रित अतिथियों के लिए टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के 'मुक्त धारा' परिसर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। वरिष्ठ संगीतकार श्री संतोष कौशिक एवं नाट्य विद्यालय के निदेशक श्री मनोज नायर के संयोजन में नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा नाट्य संगीत, कविताओं और ब्रज तथा मैनपुरी की रंगारंग होरियों की संगीतबद्ध प्रस्तुति से सभी का मनमोह लिया। अंतरराष्ट्रीय बैठक के आयोजन में तकनीकी एवं व्यवस्थागत सहयोग डॉ. रमेश विश्वकर्मा, श्रीमती वंदना श्रीवास्तव, श्री मुकेश सेन, श्री दिनेश लोहानी, श्री कार्तिक सराठे, श्री अनिल गोस्वामी, श्री उपेंद्र पाटने, श्री उत्कर्ष काटे, श्री उमेश शर्मा ने किया।

दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने राज्य सरकार ने उठाया महत्वपूर्ण कदम

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ सहकार्यता अनुबंध पर कैबिनेट ने दी सहमति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज हमारा देश विश्व में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में पहले स्थान पर और मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। देश के दुग्ध उत्पादन में 57.62त्न की वृद्धि हुई है और यह विश्व रिकॉर्ड है। डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन का औसत 673 ग्राम है, जबकि राष्ट्रीय औसत 471 ग्राम से अधिक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के अनुसार ही प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम.पी. स्टेट को-ओपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों तथा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच सहकार्यता अनुबंध (कोलेबोरेशन एग्रीमेंट) किया गया है। इसे मंत्रि-परिषद ने भी मंजूरी दे दी है। अनुबंध की अवधि 5 वर्ष होगी, जिसका आपसी सहमति से विस्तार किया जा सकेगा। डॉ. यादव ने बताया कि अनुबंध के तहत मुख्य रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे, दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जायेगी तथा दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार की जायेगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इस सबके परिणामस्वरूप दुग्ध उत्पादकों की कुल वार्षिक आय 1700 करोड़ रूपये से बढ़कर दोगुनी से भी अधिक (3500 करोड़ रूपये) हो जाएगी। मध्यप्रदेश देश का डेयरी कैपिटल बन जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश में दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं डेयरी किसानों को दूध की सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर खोले जाएंगे। श्वेत क्रांति मिशन के अंतर्गत ढाई हजार करोड़ के निवेश से प्रत्येक जिले में सांची डेयरी के साथ मिल्क कूलर, मिनी डेयरी प्लांट एवं चिलिंग सेंटर की संख्या में वृद्धि की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन संकल्पों को पूरा करने में एनडीडीबी के साथ हुआ अनुबंध महत्वपूर्ण साबित होगा। यह राज्य के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत सहकारी प्रणाली और सांची ब्रांड को मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में प्रदेश में दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार है, जिसे बढ़ाकर 9 हजार किया जाएगा। एक दुग्ध समिति लगभग 1 से 3 गांव में दुग्ध संकलन करती है, 9 हजार दुग्ध समितियां के माध्यम से लगभग 18 हजार ग्रामों को कवर किया जा सकेगा। दुग्ध संकलन भी 10.50 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 20 लाख किलोग्राम प्रतिदिन हो जाएगा। इसके अतिरिक्त एनडीडीबी द्वारा दुग्ध उत्पादक संस्थाओं (एमपीओ) के माध्यम से कवर किए गए गांव की संख्या 1390 से बढ़ाकर 2590 की जाएगी तथा दूध की खरीद को 1.3 लाख किलोग्राम से बढ़ाकर 3.7 लाख किलोग्राम प्रतिदिन किया जाएगा। दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जायेगी। वर्तमान में डेयरी प्लांट की क्षमता 18 लाख लीटर प्रतिदिन है, जिसे बढ़ाकर 30 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाएगा।

सांची ब्रांड होगा और मजबूत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा प्रदेश के सांची ब्रांड को और मजबूत किया जाएगा। व्यापक प्रचार-प्रसार से इसे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जायेगा। ब्रांड के नाम में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। दुग्ध संघ के प्रबंधन एवं संचालन के लिए प्रबंधन शुल्क और नए प्रसंस्करण प्लांट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए कोई परामर्श शुल्क नहीं लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि आवश्यकता अनुसार तकनीकी एवं प्रबंधन विशेषज्ञों को सरकार के पे-रोल पर दुग्ध संघ में पदस्थ किया जाएगा तथा कार्यरत अमले का हित संरक्षण भी किया जाएगा। दुग्ध सहकारी समितियां से संबद्ध डेयरी किसानों की शिकायतों के निराकरण के लिए शिकायत निवारण प्रणाली भी विकसित की जाएगी।

दुग्ध उत्पादकों की समृद्धि के लिए समर्पित सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि विगत चैत्र माह से प्रारंभ हुए नव वर्ष से आने वाली गुड़ी-पड़वा तक गौ-वंश रक्षा वर्ष मनाया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने प्रदेश के हर ब्लॉक में एक गाँव को वृंदावन गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ. यादव ने बताया कि सरकार ने दुधारू पशु पालने पर अनुदान तथा दुग्ध उत्पादन पर बोनस देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार पशुपालकों एवं गौसंवर्धन के लिए पूरी तरह समर्पित है।

लालकुआ - क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) लालकुआ विशेष ट्रेन

भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं उनकी यात्रा को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक बनाने के उद्देश्य से विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 05074/05073 लालकुआ - क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) - लालकुआ विशेष ट्रेन चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 05074 लालकुआ-क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) विशेष ट्रेन- गाड़ी संख्या 05074 लालकुआ - क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) विशेष ट्रेन प्रत्येक शनिवार, 11 जनवरी 2025 से अगले आदेश तक चलाई जाएगी। यह ट्रेन लालकुआ स्टेशन से शाम 17.55 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन सुबह 06.00 बजे बीना, 07.50 बजे रानी कमलापति, 09.30 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन दोपहर 15.25 बजे क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 05073 क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) - लालकुआ विशेष ट्रेन- गाड़ी संख्या 05073 क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) - लालकुआ विशेष ट्रेन प्रत्येक मंगलवार, 14 जनवरी 2025 से अगले आदेश तक चलाई जाएगी। यह ट्रेन क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) स्टेशन से सुबह 07.15 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 12.05 बजे इटारसी, 13.40 बजे रानी कमलापति, 17.45 बजे बीना एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सुबह 09.05 बजे लालकुआ स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में लालकुआ जंक्शन, किच्छा, बहेरी, भोजीपुरा जंक्शन, इज्जतनगर जंक्शन, बरेली सिटी, बरेली जंक्शन, बदायूं, कासगंज, हाथरस सिटी, मथुरा छावनी, मथुरा जंक्शन, आगरा छावनी जंक्शन, ग्वालियर जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, बीना जंक्शन, रानी कमलापति, इटारसी जंक्शन, बैतूल, नागपुर जंक्शन, सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचेरियल, पेद्दापल्ली, वारंगल, महबूबाबाद, खम्मम, विजयवाड़ा जंक्शन, तेनाली जंक्शन, ओंगोल, नेल्लूर, गुडूर जंक्शन, रेनीगुंटा जंक्शन, काटपाड़ी जंक्शन, जोलारपेट्टई जंक्शन, कुप्पम, बांगारपेट जंक्शन, कृष्णराजपुरम, बेंगलुरु छावनी, क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना (बेंगलुरु) स्टेशनों पर रुकेगी।

इंटीग्रेटिव मेडिसिन में एम्स की सफलता और अंतरराष्ट्रीय पहचान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के फिजियोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. रचना पराशर ने सेंटर ऑफ बिहेवियरल साइंस द्वारा पुणे में आयोजित 'इंटीग्रेटिव मेडिसिन कंसोर्टियम एंड लीडरशिप डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 'में आमंत्रित रिसोर्स फैकल्टी के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इंटीग्रेटिव मेडिसिन में प्रोटोकॉल और विधियों के विकास एवं उनके क्रियान्वयन के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना और गैर-संक्रामक रोगों के प्रबंधन के लिए बेहतर स्वास्थ्य समाधान उपलब्ध कराना था।

इस सम्मेलन में एम्स भोपाल के इंटीग्रेटिव मेडिसिन प्रैक्टिस मॉडल को प्रस्तुत किया गया। एम्स भोपाल में इन सेवाओं का संचालन प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। एम्स भोपाल के इस क्षेत्र में योगदान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वानों और इंटीग्रेटिव मेडिसिन के अग्रणियों द्वारा सराहा गया। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, इस प्रकार के सम्मेलनों में भागीदारी हमें स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का अवसर प्रदान करती है। एम्स भोपाल इंटीग्रेटिव मेडिसिन के माध्यम से समग्र और एकीकृत स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है, और हम निरंतर इस दिशा में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। कंसोर्टियम के दौरान न्यूरोसाइंस और योग के बायोफिजिक्स तथा उनकी आधुनिक व्याख्या को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं जैसे एडजंक्ट प्रो. रेनहार्ड बोएगल, क्रिस्टीन नॉख और प्रो. एस. एन. भावसर ने प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एमेरिटस, इंटीग्रेटिव मेडिसिन, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) एवं राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष, डॉ. बी. एन. गंगाधर ने इंटीग्रेटिव हेल्थ केयर सेवाओं के महत्व और इसकी गहरी पहुंच पर प्रकाश डाला।

महू में आयोजित जय बापू-जय भीम, जय संविधान अभियान रैली के लिए समन्वय

प्रचार-प्रसार, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर मंथन

भोपाल। आगामी 26 जनवरी को इंदौर के महू में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी और पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान रैली को सफल और प्रभारी बनाने के लिए अभा कांग्रेस कमेटी के महासचिव मप्र प्रभारी श्री जितेन्द्र सिंह ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी की सहमति से प्रदेश स्तर पर कांग्रेस नेताओं से समन्वय, प्रचार-प्रसार, यातायात, आमसभा व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, ठहरने, सोशल मीडिया, मीडिया, कंट्रोल रूम आमंत्रण एवं पास बांटने हेतु विभिन्न समितियां बनायी गई है। ये सभी समितियां अपने-अपने दायित्व का निर्वहन करेंगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा वरिष्ठ नेताओं की एक समन्वय समिति बनायी गई है, जिसमें अभा कांग्रेस कमेटी के महासचिव मप्र प्रभारी सर्वश्री जितेन्द्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्रीद्वय कमलनाथ और दिग्विजयसिंह, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्षद्वय कांतिलाल भूरिया और अरूण यादव, अभा कांग्रेस कमेटी के सह सचिव मप्र सह प्रभारीगण संजय दत्त, चंदन यादव, आनंद चौधरी और महासचिव रणविजयसिंह, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल, सेवादल के अध्यक्ष योगेश यादव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह और एनएसयूआई के अध्यक्ष आशुतोष चौकसे सहित को-ऑर्डिनेटर कमेटी के सदस्यों को शामिल किया गया है।

इसी प्रकार कार्यक्रम के लिए बनायी गई समितियों में कांग्रेस पदाधिकारी सर्वश्री संजय कामले, पी.सी. शर्मा, और शेख अलीम को प्रचार-प्रचार समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं महू में आयोजित कार्यक्रम, आमसभा स्थल के चयन-निरीक्षण हेतु कांग्रेस पदाधिकारी सर्वश्री रवि जोशी, आरिफ मसूद, विक्रांत भूरिया, विपिन वानखेड़े और मृणाल पंत को जिम्मेदारी दी गई है। यातायात व्यवस्था हेतु सर्वश्री सत्य नारायण पटेल, रामवीर सिकरवार, सुरजीत चड्डा, अनीस मामू, परवेश अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। भोजन व्यवस्था हेतु राजकुमार पटेल, जयसिंह ठाकुर, सदाशिव यादव, विनय वाकलीवाल और अरविंद बागड़ी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आवास व्यवस्था हेतु सर्वश्री अशोक सिंह, कुणाल चौधरी और मनोज राजानी तथा सोशल मीडिया के लिए अभय तिवारी और नितेन्द्र सिंह राठौर और मीडिया की व्यवस्था हेतु सर्वश्री मुकेश नायक और के.के. मिश्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एम्स ने ह्यूमन मेटाप्नेमो वायरस के बढ़ते मामलों पर दिशा निर्देश जारी किए

भोपाल। एम्स भोपाल ने भारत में बढ़ते ह्यूमनेटाप्नेमोवायरस (एचएमपीवी) मामलों को देखते हुए सुरक्षा और जागरूकता के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। संस्थान ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सावधानी बरतने और सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया है। एचएमपीवी एक श्वसन वायरस है, जिसे पहली बार 2001 में पहचाना गया था। यह वायरस मुख्य रूप से श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है और छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए अधिक जोखिमपूर्ण हो सकता है।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, एम्स भोपाल एचएमपीवी या ऐसे किसी भी प्रकार के श्वसन संक्रमण के प्रकोप को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारे पास अनुभवी स्वास्थ्यकर्मियों की टीम, उन्नत जांच प्रयोगशालाएं और अत्याधुनिक सुविधाएं हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि हम किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी रूप से कार्य कर सकें। एम्स भोपाल में श्वसन वायरस की जांच के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें आरटी-पीसीआर (रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन) शामिल है, जो एचएमपीवी का पता लगाने के लिए स्वर्ण मानक (गोल्ड स्टैंडर्ड) माना जाता है। इसके साथ ही, अस्पताल में एचएमपीवी के रोगियों के लिए पर्याप्त सामान्य और आइसोलेशन बेड की व्यवस्था है, तथा गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) से सुसज्जित आईसीयू बेड भी उपलब्ध हैं। नमूनों की जांच एम्स भोपाल के उन्नत माइक्रोबायोलॉजी विभाग में की जाती है, जिससे समय पर और सटीक निदान सुनिश्चित होता है। प्रो. सिंह ने आगे कहा, एम्स भोपाल सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और हर आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह वायरस मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकलने वाली श्वसन बूंदों के माध्यम से फैलता है। इसके अलावा, संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने या दूषित सतहों को छूने के बाद आंख, नाक या मुंह को छूने से भी संक्रमण हो सकता है। एचएमपीवी के सामान्य लक्षणों में बुखार, नाक बहना, गले में खराश, खांसी, सांस लेने में कठिनाई, घरघराहट और थकान शामिल हैं। दुर्लभ मामलों में यह निमोनिया और ब्रोंकियोलाइटिस का कारण बन सकता है। स्वस्थ लोग आमतौर पर बिना किसी जटिलता के ठीक हो जाते हैं, लेकिन छोटे बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा, हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए यह वायरस गंभीर हो सकता है।

इसके बचाव के लिए कुछ आवश्यक सावधानियां बरतनी चाहिए, जैसे कि साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक हाथ धोना, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, खांसी या छींक आने पर कोहनी या टिशू से मुंह और नाक को ढकना, बार-बार छुए जाने वाली सतहों को साफ और कीटाणुरहित करना, और फ्लू व निमोनिया के टीके लगवाना।

॥ मंदिरम् ॥

07

भोजेश्वर मन्दिर, भोजपुर, मध्य प्रदेश

भोजेश्वर मन्दिर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित भोजपुर नामक गाँव में बना एक मन्दिर है। इसे भोजपुर मन्दिर भी कहते हैं। यह मन्दिर बेतवा नदी के तट पर विन्ध्य पर्वतमालाओं के मध्य एक पहाड़ी पर स्थित है। मन्दिर का निर्माण एवं इसके शिवलिंग की स्थापना धार के प्रसिद्ध परमार राजा भोज (1010 - 1053 ई.) ने करवायी थी। उनके नाम पर ही इसे भोजपुर मन्दिर या भोजेश्वर मन्दिर भी कहा जाता है, हालाँकि कुछ किवदंतियों के अनुसार इस स्थल के मूल मन्दिर की स्थापना पाँडवों द्वारा की गई मानी जाती है। इसे 'उत्तर भारत का सोमनाथ' भी कहा जाता है। यहाँ के शिलालेखों से 11वीं शताब्दी के हिन्दू मन्दिर निर्माण की स्थापत्य कला का ज्ञान होता है व पता चलता है कि गुम्बद का प्रयोग भारत में इस्लाम के आगमन से पूर्व भी होता रहा था। इस अपूर्ण मन्दिर की वृहत कार्ययोजना को निकटवर्ती पाषाण शिलाओं पर उकेरा गया है। इन मानचित्र आरेखों के अनुसार यहाँ एक वृहत मन्दिर परिसर बनाने की योजना थी, जिसमें ढेरों अन्य मन्दिर भी बनाये जाने थे। इसके सफ़लतापूर्वक सम्पन्न हो जाने पर ये मन्दिर परिसर भारत के सबसे बड़े मन्दिर परिसरों में से एक होता।

म.प्र. शीतलहर की चपेट में, बर्फीली हवाओं से कांपे लोग

भोपाल में 6.4 डिग्री तक लुढ़का दिन का पारा; ग्वालियर में 18.4 डिग्री रहा तापमान

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में फिर शीतलहर चली है। बर्फीली हवाओं से पूरा प्रदेश ठिठुर गया है। भोपाल में तो दिन का पारा 6.4 डिग्री लुढ़क गया। यहां दिन में 21.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

सबसे ठंडा रीवा रहा, यहां पारा 18 डिग्री रहा। ग्वालियर में तापमान 18.4 डिग्री, इंदौर में 22.1 डिग्री, उज्जैन में 22.5 डिग्री और जबलपुर में 21.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

वहीं पचमढ़ी में दिन का पारा 19.9 डिग्री, धार में 21.6 डिग्री, गुना में 21.3 डिग्री, रायसेन में 23.2 डिग्री, रतलाम में 22.5 डिग्री, खजुराहो में 20.2 डिग्री, नौगांव में 19.8 डिग्री, सतना में 19.5 डिग्री, सीधी में 19.6 डिग्री, टीकमगढ़ में 20 डिग्री, मलाजखंड में 22.2 डिग्री और सिवनी में 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

प्रदेश में फिर से इसलिए बढ़ी ठंड- मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी होने से सर्द हवाएं मध्यप्रदेश में आ रही हैं। सोमवार को 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 204 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम चलती रहीं।

आने वाले दिनों में बर्फ पिघलेगी, जिससे हवा की रफ्तार तेज होगी। जिसके असर मध्यप्रदेश में भी होगा, यहां ठंड बढ़ेगी। जनवरी में प्रदेश का मौसम ठंडा ही रहेगा। 20 से 22 दिन तक शीतलहर

चलने का अनुमान है।

इस सप्ताह ऐसा रहेगा मौसम- उत्तरी हवा के असर से दिन-रात के तापमान में गिरावट हुई है। अगले 2 दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा। उत्तर-पश्चिम भारत में 10 जनवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होगा। इसके असर से 12 जनवरी से बूंदाबांदी हो सकती है।

अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

9 जनवरी- मौसम साफ रहेगा, लेकिन ठंड का असर बना रहेगा।

10 जनवरी- ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में कहीं-कहीं हल्की बारिश के आसार हैं।

11 जनवरी- ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, सतना और रीवा में भी बारिश होने के आसार हैं।

भोपाल में 6.4 डिग्री लुढ़का दिन का पारा

बर्फीली हवा की वजह से मध्यप्रदेश फिर से ठिठुर गया है। मंगलवार को प्रदेश के कई शहरों में दिन के पारे में खासी गिरावट हुई। राजधानी भोपाल में पारा 21.4 डिग्री रहा। एक ही दिन में पारा 6.4 डिग्री लुढ़क गया। ग्वालियर में तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस रहा। पचमढ़ी में 19.9 डिग्री, धार में 21.6 डिग्री, गुना में 21.3 डिग्री, इंदौर में 22.1 डिग्री, रायसेन में 23.2 डिग्री, रतलाम में 22.5 डिग्री, उज्जैन में 22.5 डिग्री, जबलपुर में 21.4 डिग्री, खजुराहो में 20.2 डिग्री, नौगांव में 19.8 डिग्री, रीवा में 18 डिग्री, सतना में 19.5 डिग्री, सीधी में 19.6 डिग्री, टीकमगढ़ में 20 डिग्री, मलाजखंड में 22.2 डिग्री, सिवनी में 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कई शहरों में विजिबिलिटी 50 मीटर रही

इससे पहले सुबह कोहरे का असर भी देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार, अनूपपुर, सतना, मैहर, छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, सागर, दमोह, इंदौर, नरसिंहपुर, रीवा एयरपोर्ट में विजिबिलिटी 50 मीटर तक रही। गुना और ग्वालियर में 200 मीटर, भोपाल एयरपोर्ट में 250 मीटर, खजुराहो हवाई अड्डे में 300 मीटर, रतलाम में 200 से 500 मीटर, सीधी में 500 मीटर, जबलपुर हवाई अड्डे में 800 मीटर और टीकमगढ़, राजगढ़, उज्जैन समेत नर्मदापुरम में 500 से 1000 मीटर तक विजिबिलिटी दर्ज की गई।

कांग्रेस-बीजेपी नेताओं को फिल्म दिखाएंगे दिग्विजय सिंह

13 जनवरी को जंगल सत्याग्रह का प्रीमियर शो सीएम-वीडी को पूर्व सीएम ने दिया निमंत्रण

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कांग्रेस और बीजेपी के नेताओं को फिल्म दिखाएंगे। 13 जनवरी को विधानसभा के मानसरोवर सभागार में फिल्म 'जंगल सत्याग्रह' का प्रीमियर शो आयोजित होगा। दिग्विजय सिंह ने इस शो के लिए कांग्रेस और बीजेपी के विधायकों, सांसदों, पूर्व विधायकों और मंत्रियों समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं को निमंत्रण भेजा है।

शनिवार शाम को दिग्विजय सिंह ने सीएम हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस फिल्म के प्रीमियर शो में आने का निमंत्रण दिया। दिग्विजय सिंह के पीएस सचिन वत्स और मीडिया कोऑर्डिनेटर योगेंद्र सिंह परिहार ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को भी निमंत्रण भेजा। साथ ही, मोहन सरकार के मंत्रियों और बीजेपी विधायकों को भी निमंत्रण भेजा जा रहा है। फिल्म में अंग्रेजी हुकूमत के समय जल, जंगल और जमीन के संघर्ष को बताया गया है।

फिल्म बैतूल के आदिवासियों के विद्रोह पर आधारित- स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक बहुचर्चित आंदोलन 'जंगल सत्याग्रह' में बैतूल के आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ 1930 में विद्रोह का बिगुल फूंका था। इस आंदोलन में आदिवासी नायक सरदार गंजन सिंह कोरकू, सरदार विष्णु सिंह गोंड, ठाकुर मोहकम सिंह, रामजी कोरकू और जुगरू गोंड द्वारा 1930 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जल, जंगल और जमीन के लिए किए गए संघर्ष को फिल्म में दिखाया गया है।

इस सत्याग्रह पर आधारित फिल्म 'जंगल सत्याग्रह' का निर्माण बैतूल के स्थानीय कलाकारों ने किया है। इस फिल्म का प्रीमियर शो 13 जनवरी को विधानसभा के ऑडिटोरियम में रखा गया है।

पीएसी बैठक में नाराजगी पर कमलनाथ की सफाई

एक्स पर पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा- हम सब कांग्रेसी एक हैं, विवाद का कोई सवाल ही नहीं

भोपाल (नप्र)। सोमवार शाम एमपी कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की ऑनलाइन बैठक के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की नाराजगी की खबरें सामने आईं। बैठक में कांग्रेस में होने वाली नियुक्तियों, सूचनाओं और एजेंडे को लेकर कमलनाथ की नाराजगी की बातें मीडिया में आई। इन खबरों पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने खुद सफाई दी।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने एक्स पर लिखा- कांग्रेस की मजबूती के लिए और प्रदेश की व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए हम सब कांग्रेसजन एक हैं। विवाद का कोई प्रश्न नहीं है। पिछले दिनों हुई प्रदेश की राजनैतिक मामलों की समिति की बैठक को लेकर मीडिया में नाराज़गी के जो कयास लगाए जा रहे हैं, वे निराधार हैं।

पटवारी ने लिखा- बीजेपी की सिर फुटव्वल से ध्यान भटकाने की कोशिश- कमलनाथ के ट्वीट का रिट्वीट करते हुए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने लिखा- प्रदेशवासियों, मध्य प्रदेश जनसंपर्क अब केवल डॉ. मोहन यादव की सत्ता के कारनामों को छिपाने की नाकाम कोशिश कर रहा है। एमपी बीजेपी में मची लूट, सरकारी भ्रष्टाचार और सिर-फुटव्वल से ध्यान भटकाने के लिए यही लोग मीडिया में झूठी खबरें फैलाते हैं। मुख्यमंत्री के मातहत विभाग का पर्दाफाश करने के लिए कमलनाथ जी का बहुत-बहुत आभार।

विश्वविद्यालय क्षेत्रीय संसाधनों और परिवेश की संभावनाओं को पहचाने : राज्यपाल

वर्तमान की मांग और भावी संभावनाओं पर कार्ययोजना तैयार करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं में उच्च गुणवत्ता को लक्ष्य बनाए। लक्ष्य और प्राप्ति के प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विश्वविद्यालयों को पर्याप्त स्वायत्ता दी गई है। जरूरी है कि कुलगुरू अपनी क्षमताओं, विश्वविद्यालय के संसाधनों और आस-पास के परिवेश के अनुसार विकास की संभावनाओं की पहचान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में अपने सीमित दायरे से बाहर निकलें। वर्तमान की मांग और भविष्य की संभावनाओं पर कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि टॉस्क फोर्स बना कर समय-सीमा में सभी विश्वविद्यालयों की कार्ययोजना तैयार कराई जाए।

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को राजभवन में आयोजित शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलगुरूओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल भी मौजूद थे।

विद्यार्थी कल्याण के लिए संवेदनशील रहें - राज्यपाल राज्यपाल

श्री पटेल ने कुलगुरूओं से कहा है कि विद्यार्थी कल्याण के विषयों के प्रति संवेदनशील रहें। अभिभावक अपने बच्चें सरकार के भरोसे पर शासकीय विश्वविद्यालयों में भेजते हैं। उनकी देख-भाल पालक के दृष्टिकोण के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि कुलगुरू नियमित आधार पर छात्रावास, मेस, खेल सुविधाओं और कक्षाओं का नियमित निरीक्षण भी करें।

रोजगार की क्षेत्रीय संभावनाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाए- राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार की सम्भावनाओं को बढ़ाने वाले पाठ्यक्रमों पर फोकस करें। डिग्री, डिप्लोमा के साथ ही मांग आधारित पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किये जाएं। स्थानीय उद्योगों, व्यवासायिक प्रतिष्ठानों की आवश्यकताओं के अनुसार मानव संसाधन की उपलब्धता के रोजगार लिए संबद्ध विषयों के अध्ययन की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं की उपलब्धता और उनके उन्नयन के लिए भी विशेष प्रयास करने की जरूरत बताई। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि रेडक्रास की गतिविधियों में विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता की जाए।

रोज़गार आधारित कोर्स प्रारंभ करने बनाएं प्लॉन - मुख्यमंत्री - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय बहु विषयक आत्मनिर्भर विश्वविद्यालय बनें। परम्परागत विषयों के साथ ही मांग आधारित और रोजगार की उच्च संभावनाओं वाले कोर्स प्रारंभ करने विशेष प्रयास करें।

ऑनलाईन वैल्यूएशन कार्य को बढ़ावा दें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रदान स्वायत्ता के आधार पर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाएं। विद्यार्थियों को प्रवेश की सुविधा, उत्कृष्ट शिक्षा, समय पर परीक्षा और तत्काल परिणाम घोषणा के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए। परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनलाइन मूल्यांकन की व्यवस्था को बढ़ावा दें। इसी तरह प्रवेश के समय ही अंकसूची और डिग्री वितरण के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के डीजी लॉकर में उनकी त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित हो।

शासकीय विश्वविद्यालयों को मिलेगा पूरा सहयोग- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों की बेहतरी के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालयों को पूरा सहयोग सरकार दे रही है। विश्वविद्यालयों को वित्तीय, भौतिक और मानव संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने में सरकार ने नवीन पहल कर संसाधन सम्पन्न बनाया है। विश्वविद्यालयों का स्टॉफ सरकार के लिए शासकीय सेवकों के समान ही महत्वपूर्ण है।

स्व-वित्तीय व्यवस्था पर मंथन करें विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों को आत्मनिर्भर होना होगा। विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता के लिए संसाधन और संभावनाओं के दोहन के लिए नई दूरदृष्टि के साथ कार्य करना होगा। इसके लिए निज संसाधनों, स्व-वित्त पोषित और पीपीपी मॉडल की उपयुक्तता के संबंध में कुलगुरूओं को अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का प्रदर्शन करना होगा। विश्वविद्यालय की भौतिक एवं शैक्षणिक आवश्यकताओं को बेहतर करना, कुलगुरूओं का दायित्व है। जिसके आधार पर उनके कार्य का मूल्यांकन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परम्परागत, तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रम आधारित विश्वविद्यालयों को उनके कार्य क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों में विस्तारित करना चाहिए।

डिजिटल वैल्यूएशन विद्यार्थी के हित में: उच्च शिक्षा मंत्री सिंह

बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि परीक्षाओं का प्रभावी, पारदर्शी और निष्पक्ष संचालन जरूरी है। डिजिटल वैल्यूएशन विद्यार्थी हितों के अनुकूल है। विश्वविद्यालय परीक्षा मूल्यांकन संबंधी कार्यों में आधुनिक तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करें। समय पर परीक्षा परिणाम तैयार करने के लिए डिजिटल वैल्यूएशन प्रणाली की संभावनाओं को तलाशा जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में राशियों के जमा करने की व्यवस्था का भी परीक्षण करें। विश्वविद्यालय के विकास में राशि के उपयोग और निवेश के संबंध में भी कार्यवाही की जाना चाहिए। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव संस्कृति डॉ. शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री उमाकांत उमराव सहित सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलगुरू और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

महिला मंडल संभालेगी 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ की व्यवस्था

यज्ञशाला के चार ब्लॉकों के लिए एक बहन उपाचार्य के रूप में नियुक्त

भोपाल (नप्र)। गायत्री शक्तिपीठ भोपाल में आज महिला मंडल की बहनों की गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें आगामी 13 से 16 जनवरी तक आयोजित होने वाले विराट 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इस यज्ञ में महिला मंडल की प्रमुख भूमिका रहेगी, जिसमें बहनों ने 108 कुंड की यज्ञशाला के चार ब्लॉकों का निर्माण किया, जिसमें प्रत्येक ब्लॉक के लिए एक बहन उपाचार्य के रूप में नियुक्त की गई हैं, जो यज्ञ में विधि-विधान से यज्ञाचार्य के निर्देशों का पालन करवाएंगी।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम और- इस महायज्ञ में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से सराहनीय रही। महिला सशक्तिकरण के तहत यज्ञ की जिम्मेदारी बहनों के कंधों पर दी गई है। यज्ञशाला में 108 कुंड के निर्माण के साथ-साथ कलश यात्रा, संस्कारशाला, साहित्य स्टॉल, भोजन शाला और अन्य व्यवस्थाओं में भी महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी रहेगी। इस अवसर पर यज्ञ के प्रभाव को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परीक्षण करने का निर्णय लिया गया है, ताकि यज्ञ की ऊर्जा का शारीरिक और मानसिक लाभ भी माप सके।

शांतिकुंज हरिद्वार का मार्गदर्शन- यज्ञशाला के निर्माण में शांतिकुंज हरिद्वार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, जिसमें पूरे देश में 24, 51, 108, और 251 कुंडीय महायज्ञों की श्रृंखला के तहत 400 कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका है।

ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर दी थी जान

भोपाल की पिपलानी पुलिस ने पति-सास और ससुर पर दर्ज की एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पिपलानी इलाके में एक विवाहिता ने अपने पति और सास-ससुर की प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी की थी। यह खुलासा पुलिस की जांच में हुआ। मायके पक्ष के बयानों के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बुधवार को तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक पूजा यादव पति हेमंत यादव (27) सतनामी नगर में रहती थी। बीती 24 दिसंबर को महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। जांच में सामने आया कि महिला का पति हेमंत यादव, सास रामनारायण यादव और ससुर किरण यादव को शादी के बाद से प्रताड़ित कर रहे थे। इतना ही नहीं आए दिन उसके साथ मारपीट भी किया करते थे। जिससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। इसके अलावा पीड़ित महिला के मायके पक्ष ने भी ससुराल पक्ष पर उसे प्रताड़ित करने के आरोप लगाते हुए बयान दर्ज कराए थे।

सागर में आईटी रेड में 150 करोड़ की टैक्स चोरी का संदेह

- सात विदेशी कारों के साथ 14 किलो सोना मिला
- पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर के घर पर भी आयकर विभाग की टीम ने की जांच
- बीड़ी व कंस्ट्रक्शन कारोबारी राजेश केसरवानी के यहां मिलीं सात विदेशी कारें
- छापे में बेनामी संपत्ति के दस्तावेज भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है

भोपाल (नप्र)। सागर में बीड़ी व कंस्ट्रक्शन कारोबारी राजेश केसरवानी, पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता हरवंश सिंह राठौर व राकेश छाबड़ा के यहां आयकर विभाग की छापेमारी में लगभग 150 करोड़ रुपये की आयकर चोरी का संदेह है। उधर छापे में 14 किलो सोना मिलने की बात भी सामने आ रही है।

विभाग तीनों जगह से लिए गए दस्तावेजों की जांच कर रहा है। इसके बाद पूरी स्थिति साफ होगी। बता दें, तीनों जगह आयकर की टीम ने रविवार सुबह छापा मारा था। दो दिन तक टीम तलाशी में लगी रही।

सात विदेशी कारें भी मिलीं- आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया के राजेश केसरवानी के यहां लगभग 140 करोड़ रुपये टैक्स चोरी के दस्तावेज मिले हैं। इसके अतिरिक्त सात विदेशी कारें मिली हैं। बताया जा रहा है कि इन गाड़ियों का उपयोग केसरवानी परिवार कर रहा था, पर किसी और के नाम से।

संपत्ति का असली मालिक कौन- छापे में बेनामी

संपत्ति के दस्तावेज भी मिले हैं, जिनकी जांच आयकर विभाग कर रहा है। इसके बाद जिनके नाम संपत्ति मिलेगी, उनसे पूछताछ कर पता किया जाएगा कि संपत्ति का असली मालिक कौन है? बता दें, हरवंश सिंह राठौर सागर जिले की बंडा विधानसभा सीट से विधायक रहे हैं। वह सागर से भाजपा जिला अध्यक्ष की दौड़ में भी हैं।

रविवार को पड़ा था छापा

गौरतलब है कि बंडा के पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर, पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी, एक प्रापर्टी डीलर राकेश छावड़ा के घर पर रविवार की सुबह अचानक से आयकर विभाग की टीमों ने दबिश दी थी। सौ से अधिक अधिकारियों की टीम ने तीनों स्थानों पर एक साथ छापा मारा था।

सर्वे की कार्रवाई पूरी हुई

मंगलवार को सुबह 11.30 बजे दो स्थानों पर सर्वे पूरा हुआ। वहीं शाम तक पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी के यहां भी सर्वे की कार्रवाई पूरी हुई। गौरतलब है कि सदर क्षेत्र में पूर्व विधायक राठौर का बंगला है। वहीं पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी व एक अन्य कारोबारी राकेश छावड़ा का निवास परकोटा पर वन वे पर है।

तीन दिन से खड़ी थीं आयकर विभाग की गाड़ियां

पूर्व पार्षद के घर के सामने ही तीन दिन से आयकर विभाग के अधिकारियों की आधा दर्जन से गाड़ियां खड़ी थीं। इससे आवागमन में दिक्कत हो रही थी। केशरवानी के निवास के बाहर सुरक्षाबल तैनात था। वहीं घर के बार आधी सड़क तक वाहन रखे होने से बार-बार जाम की स्थिति बन रही थी। केशरवानी बीड़ी कारोबार के साथ साहूकारी का भी धंधा भी करते हैं।